रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

शुक्रवार
06 मार्च -2026
वर्ष 10, अंक 179
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

पेज-8

राजौरी जिले की नई गुफा में मिले प्राकृतिक शिवलिंग

उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़!

राजौरी (एजेंसी)। राजौरी जिले के खैरसू क्षेत्र में एक नई शिव गुफा मिलने का मामला सामने आया है, जिसने स्थानीय लोगों में उत्साह और धार्मिक आस्था का माहौल बना दिया है। ग्रामीणों के अनुसार गुफा के भीतर कई

प्राकृतिक शिवलिंग दिखाई दे रहे हैं, जिन्हें श्रद्धालु आस्था के केंद्र के रूप में देख रहे हैं। जैसे ही इस गुफा की जानकारी आसपास के इलाकों में फैली, लोग बड़ी संख्या में स्थल पर पहुंचने लगे।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह स्थान धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हो सकता है। उन्होंने जिला प्रशासन और संबंधित विभागों से मांग की है कि विशेषज्ञ टीम भेजकर गुफा की विधिवत जांच कराई जाए तथा क्षेत्र के संरक्षण और आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में यह स्थल धार्मिक पर्यटन के रूप में भी विकसित हो सके।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने 16वीं सदी की कांस्य प्रतिमा भारत को लौटाई

नईदिल्ली (एजेंसी)। 4 मार्च को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के एशमोलियन म्यूजियम ने संत थिरुमनकाई अलवर

की तांबे की मूर्ति भारत को लौटा दी। संत थिरुमनकाई अलवर की कांस्य प्रतिमा 16वीं शताब्दी की है। ये प्रतिमा तमिलनाडु के थाडिकोम्बु स्थित श्री सौंदराजा पेरुमल मंदिर को वापस कर दी जाएगी। ये मूर्ति उन चार पवित्र कलाकृतियों में से एक थी जो 1957 और 1967 के बीच मंदिर से चोरी हो गई थीं। रिपोर्ट्स के अनुसार, मूर्ति की कीमत करोड़ों में है। इन मूर्तियों को तस्करों ने अवैध रूप से बेचा था और विदेशों में तस्करी की थी। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के एशमोलियन म्यूजियम ने मूर्ति की उत्पत्ति की जांच की, जिसके बाद इसे भारत को लौटाने पर सहमति दी।

वोट डालकर पीएम कार्की बोलीं-

मेरा रोल खत्म, अब तक 40 प्रतिशत वोटिंग

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में आम चुनाव के लिए वोटिंग जारी है। चुनाव आयोग के मुताबिक दोपहर 3 बजे तक 40 प्रतिशत वोटिंग हुई है।

प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने काठमांडू के धापासी स्थित

मतदान केंद्र पर वोट डाला। पीएम कार्की ने कहा कि अब उनका रोल पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव देश का भविष्य तय करने वाला है।

नेपाल चुनाव पर दुनिया के कई देशों की नजर है, क्योंकि सितंबर 2025 में युवाओं के हिंसक प्रदर्शनों के बाद यह पहला आम चुनाव है। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार गिर गई थी।

ओली के इस्तीफे के बाद नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी, जो अब चुनाव करा रही है। इस चुनाव में काठमांडू के पूर्व मेयर बालेन शाह, केपी शर्मा ओली और गगन थापा को प्रधानमंत्री पद का प्रमुख दावेदार माना जा रहा है।

नीतीश ने राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया

● बोले- नई सरकार को सहयोग रहेगा, जेडीयू ऑफिस में तोड़-फोड़ ● तेजस्वी ने कहा- भाजपा ने हाईजैक किया

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने गुरुवार को विधानसभा पहुंचकर राज्यसभा कैंडिडेट के लिए नामांकन दाखिल किया। सीएम के साथ बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन, रामनाथ ठाकुर, उपेन्द्र कुशवाहा और शिवेश कुमार ने भी नामांकन दाखिल किया। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे।

नामांकन के बाद अमित शाह ने कहा, उनका ये कार्यकाल बिहार के इतिहास में स्वर्णिम पृष्ठ के रूप में लिखा जाएगा। बिहार के विकास के सारे मायने को उन्होंने गति देने का काम किया। उन्होंने अपने शासनकाल में बिहार को जंगलराज से मुक्त करने का काम किया। उन्होंने न केवल बिहार की सड़कों को गांव तक जोड़ा, उसकी स्थिति में भी सुधार किया। इतने लंबे कार्यकाल में विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री रहते हुए उनके कुर्ते पर कभी दाग नहीं लगा।

बंगाल में टीएमसी के 4 उम्मीदवार ने पर्चा भरा

राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन भरने का गुरुवार को आखिरी दिन है। बिहार में भाजपा के दो प्रत्याशी पार्टी के नेशनल प्रेसिडेंट नितिन नवीन और शिवेश कुमार ने नामांकन दाखिल किया। बिहार के सीएम नीतीश कुमार अब राज्यसभा जा रहे हैं, उन्होंने भी नामांकन दाखिल किया है। अब बिहार को नया सीएम मिलेगा।

इस बार हो रहे चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनना चाह रहा हूं

नामांकन से पहले नीतीश कुमार ने अपने एक्स पर लिखा कि, 'संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही मेरे मन में एक इच्छा थी कि मैं बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के भी दोनों सदनों का सदस्य बनूं। इसी क्रम में इस बार हो रहे चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनना चाह रहा हूं। बिहार की नई सरकार को मेरा सपोर्ट रहेगा। नीतीश के ऐलान पर तेजस्वी यादव ने कहा है कि, बिहार में महाराष्ट्र मॉडल बीजेपी ने लागू किया है। भाजपा ने नीतीश कुमार को इतना टॉर्चर किया कि उन्हें इस्तीफा देना पड़ रहा है। बीजेपी अपनी सहयोगी पार्टी को खत्म कर देती है। बीजेपी ने नीतीश को हाईजैक किया है।

शाह बोले-

मैं नीतीश कुमार जी का स्वागत करता हूं– केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी राज्यसभा में अपना नामांकन दाखिल किया है। इसके साथ ही बहुत ही लंबे अरसे के बाद नीतीश कुमार फिर से एक बार राष्ट्रीय राजनीति में राज्यसभा सांसद के नाते प्रवेश करेंगे। 2005 से लेकर आज तक नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री रहे। उनका ये कार्यकाल बिहार के इतिहास में स्वर्णिम पृष्ठ के रूप में लिखा जाएगा और बिहार के विकास के सारे मायने को उन्होंने गति देने का काम किया। उन्होंने अपने शासन काल में बिहार को जंगलराज से मुक्त करने का काम किया। उन्होंने न केवल बिहार की सड़कों को गांव तक जोड़ा, उसकी स्थिति में भी सुधार किया।

कांग्रेस ने 6 उम्मीदवारों का ऐलान किया

अभिषेक मनु सिंघवी

फूलो देवी नेताम

कर्मवीर सिंह बौद्ध

अनुराग शर्मा

एम. क्रिस्टोफर तिलक

वेम नरेंद्र रेड्डी

आज सुबह ही कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव के लिए 6 उम्मीदवारों का ऐलान किया। तेलंगाना से अभिषेक मनु सिंघवी और छत्तीसगढ़ से फूलो देवी नेताम को दोबारा उम्मीदवार बनाया है। दोनों वर्तमान में राज्यसभा सांसद हैं। पार्टी ने हरियाणा से करमवीर सिंह बौद्ध और हिमाचल प्रदेश से अनुराग शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। वे कांगड़ा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हैं। उन्हें हिमाचल सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू का करीबी माना जाता है। तेलंगाना की दूसरी सीट के लिए कांग्रेस ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के करीबी माने जाने वाले वेम नरेंद्र रेड्डी को मैदान में उतारा है। तमिलनाडु में स्टालिन की पार्टी द्रमुक ने कांग्रेस को एक राज्यसभा सीट दी है। कांग्रेस ने यहां से एम. क्रिस्टोफर तिलक को उम्मीदवार बनाया है। इधर, भाजपा भी दो बार में 13 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर चुकी है।

● अमेरिका ने ईरान के मोबाइल मिसाइल लॉन्च ट्रक को उड़ाया

अहम ठिकानों पर मिसाइलें दागीं

1,045 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी

जंग के बीच बंकर में हुई शादी

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। यूएस सेंट्रल कमांड ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें ईरान के मोबाइल मिसाइल लॉन्च ट्रक को उड़ाया। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल हमले का आज छठा दिन है। इजराइली और अमेरिकी सेनाओं ने गुरुवार को भी ईरान के अहम ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। ईरान के इजराइल और गल्फ देशों में

अमेरिकी सैन्य ठिकानों के साथ अन्य जगहों पर भी हमले जारी हैं। 28 फरवरी को शुरू हुई इस जंग में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई की मौत हो चुकी है। अमेरिका-इजराइल तीन दिन में 2000 से ज्यादा बम गिरा चुके हैं। इससे ईरान में 1,045 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

श्रीलंका ने डूबते ईरानी जहाज से 32 सेलर्स रेस्क्यू किए– 4 मार्च को श्रीलंका नेवी ने ईरानी नेवल शिप 'आईआरआईएस डेना' से 32 सेलर्स को रेस्क्यू किया। इजराइल का 'आईआरआईएस डेना' बुधवार को डूब गया। इस जहाज से गंभीर रूप से घायल 32 सेलर्स को बचाया जा सका। 'आईआरआईएस डेना' श्रीलंका के टेरिटोरियल वार्टस के ठीक बाहर दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिसके बाद उसने मदद का संदेश भेजा था।

ईरानी युद्धपोत पर अमेरिका का हमला

87 सैनिकों की मौत 32 का रेस्क्यू किया

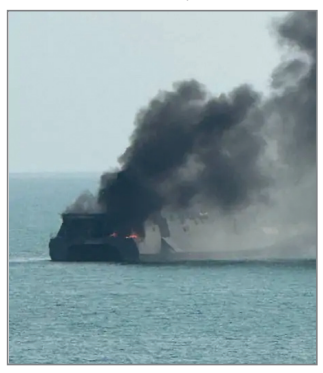

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग में अमेरिका ने भारत से लौट रहे एक ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को श्रीलंका के पास हमला कर डुबा दिया है। हमले में अब तक 87 ईरानी नौसैनिक मारे गए हैं। यह जानकारी श्रीलंकाई सरकार ने दी है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बताया

कि हिंद महासागर में अमेरिकी पनडुब्बी ने ईरानी जहाज को टॉरपीडो से निशाना बनाकर डुबा दिया। श्रीलंका की नेवी ने 32 घायल नौसैनिकों का रेस्क्यू कर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। जहाज पर लगभग 180 नौसैनिक सवार थे। लापता लोगों की तलाश के लिए सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। यह ईरानी युद्धपोत पिछले महीने भारत के विशाखापट्टनम में आयोजित 2026 इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लेकर लौट रहा था।

इजराइल-ईरान संघर्ष पर पीएम मोदी बोले-

जंग जल्द खत्म हो

● सैन्य संघर्ष किसी समस्या का समाधान नहीं, ईरान में अब तक 1000 लोगों की मौत

● दिल्ली में फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दिल्ली में फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान उन्होंने मिडिल ईस्ट और यूक्रेन में जारी जंग को जल्दी खत्म करने की अपील की। मोदी ने कहा कि मिलिट्री लड़ाई (सैन्य संघर्ष) से कोई भी मसला हल नहीं हो सकता। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फिनलैंड

दोनों ही कानून के शासन, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा- हम इस बात पर सहमत हैं कि सिर्फ सैन्य संघर्ष से कोई भी समस्या हल नहीं हो सकती।

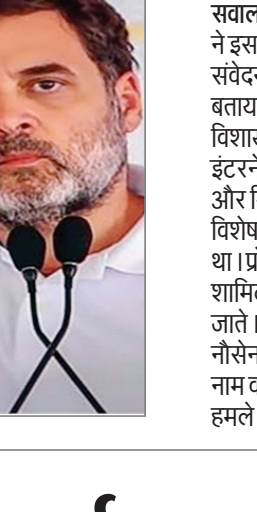

चाहे यूक्रेन का मुद्दा हो या मिडिल ईस्ट का भारत सभी विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और शांति स्थापित करने की कोशिशों का समर्थन करता रहेगा। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच छह दिनों से जंग जारी है। अल जजीरा के मुताबिक, इजराइल-अमेरिका ने अब तक ईरान में 5000 से ज्यादा बम गिराए हैं। वहीं 20 ईरानी वॉरशिप को डुबो दिया है। इन हमलों में एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

मोदी बोले-एआई 6जी और क्वांटम टेक्नोलॉजी में साझेदारी पर जोर

फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब बुधवार को चार दिवसीय भारत दौरे पर आए हैं। इस दौरे का उद्देश्य व्यापार, निवेश और उभरती प्रौद्योगिकियों सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाना है। बैठक में दोनों देशों ने डिजिटलाइजेशन और सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने भारत–फिनलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक आगे बढ़ाने पर चर्चा की। पीएम ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 6जी टेलीकॉम, स्वच्छ ऊर्जा और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे हाई–टेक क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देश आगे बढ़ेंगे। भारत–यूरोपीय फ्री ट्रेड एग्रीमेंट भारत और फिनलैंड के बीच व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग को और मजबूत करेगा।

देश को मजबूत नेतृत्व की जरूरत : राहुल

● ईरानी युद्धपोत पर हमले को लेकर राहुल ने मोदी पर किया कड़ा प्रहार

नईदिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के तट के पास अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा ईरानी युद्धपोत 'आईआरआईएस देना' को डुबोए जाने के बाद भारत में राजनीतिक पारा चढ़ गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खामोशी पर सवाल उठाते हुए उन्हें जमकर घेरा है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया का संघर्ष अब भारत के पिछले दरवाजे तक पहुंच गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब देश को एक मजबूत नेतृत्व की जरूरत है, तब प्रधानमंत्री ने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का सरेंडर कर दिया है।

● **मेहमान नवाजी और विश्वासघात का सवाल–** पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने इस घटना पर भारत की संवेदनशीलता का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि आईआरआईएस देना विशाखापत्तनम में आयोजित इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू 2026 2026 और मिलन 2026 अभ्यास में भारत के विशेष निमंत्रण पर शामिल होने आया था। प्रोटोकॉल के मुताबिक, अभ्यास में शामिल जहाज गोला–बारूद नहीं ले जाते। सिब्बल के अनुसार अमेरिकी नौसेना ने आखिरी समय में अभ्यास से नाम वापस ले लिया था, जो संभवत: इस हमले की पूर्व–योजना का हिस्सा था।

अमेरिका-इजराइल ईरान जंग का 6वें दिन, कोलकाता-दुबई फ्लाइट शुरू

● स्पाइसजेट की यूएई से दिल्ली-मुंबई के लिए 13 स्पेशल फ्लाइट्स; श्रीनगर लगातार पांचवे दिन बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का छठा दिन था। 28 फरवरी से शुरू हुई जंग के कारण मिडिल ईस्ट के देशों में भारत के लिए उड़ान सेवा प्रभावित हुई है। हालांकि बीते 2 दिन में हालात आंशिक रूप से सुधरे हैं। स्पाइसजेट मिडिल ईस्ट में फंसे यात्रियों की वापसी के लिए गुरुवार को यूएई से 13 स्पेशल फ्लाइट्स चलाएगी। इनमें 12 फुजैराह से और 1 दुबई से चलेंगी। फुजैराह से मुंबई के लिए सात और दिल्ली के लिए पांच स्पेशल फ्लाइट्स चलेंगी। वहीं एक फ्लाइट दुबई से मुंबई आएगी। इधर, ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में विरोध प्रदर्शन हुए। 1 मार्च से आज लगातार पांचवे दिन श्रीनगर में लाल चौक पर बैरिकेडिंग है, सुरक्षाबल की तैनाती है। गलियों के बाहर तार फैंसिंग की गई है। इस बीच 4 दिन बंद पड़ी कोलकाता-दुबई की उड़ानें आज से दोबारा शुरू की गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि फ्लाईदुबई की फ्लाइट गुरुवार सुबह एयरपोर्ट पर लैंड हुई। इसमें 130 यात्री थे। बोइंग 737 मैक्स वाला यह प्लेन यहां से 55 यात्रियों को लेकर दुबई रवाना हुआ।

6 मार्च को भी फुजैराह से मुंबई के लिए एक्स्ट्रा फ्लाइट्स

स्पाइसजेट के मुताबिक गुरुवार को दुबई से मुंबई के लिए एसजी 9014 और फुजैरा से मुंबई के लिए एसजी 9036 उड़ान चलेंगी। फुजैरा से दिल्ली के लिए एसजी 9006, एसजी 9082 और एसजी 9085 और फुजैरा से मुंबई के लिए एसजी 9087 और एसजी 9089 उड़ानें भी ऑपरेट की जा रही हैं। स्पाइसजेट ने 6 मार्च को भी फुजैराह से मुंबई और दिल्ली के लिए कई अतिरिक्त उड़ानें तय की हैं। 7 मार्च को फुजैराह से मुंबई के लिए एक स्पेशनल फ्लाइट ऑपरेट की जाएगी।

एअर इंडिया बोला– भारतीय को वापस लाने का काम जारी– एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने कहा– 28 फरवरी या उससे पहले बुक टिकट वाले यात्री अपनी उड़ान मुफ्त में रीशेड्यूल करा सकते हैं या टिकट कैंसिल करके पूरा रिफंड ले सकते हैं। कंपनी ने कहा कि हमारी मिडिल ईस्ट के हालातों पर नजर बनी हुई है। दुबई और जेद्दा से फ्लाइट ऑपरेट की जा रही हैं। वहां फंसे भारतीय लाने की कोशिशें जारी हैं।

संक्षिप्त समाचार

धनबाद के बरमसिया में होली के दिन दो गुटों के बीच हिंसक झड़प, फायरिंग में दो युवक घायल

धनबाद, एजेंसी। झारखंड में धनबाद जिले के बरमसिया में बुधवार की शाम दो गुटों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया. एक गुट ने खुलेआम फायरिंग शुरू करदी. इस घटना में दो युवक गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों की पहचान विष्णु शर्मा (30 वर्ष) और पुष्पक कुमार (21 वर्ष) के रूप में हुई है. दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार विष्णु शर्मा को दाहिने जांघ में गोली लगी है, जबकि पुष्पक कुमार के पेट में गोली लगने से उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है. घटना के बाद इलाके में भगदड़ मच गई और लोग दहशत में इधर-उधर भागने लगे. स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया.

घायल विष्णु शर्मा ने बताया कि उसका विकास लाला से लंबे समय से पैसे का लेनदेन चल रहा था. कुछ दिन पहले उसने बकाया राशि की मांग की थी, जिससे विकास लाला नाराज चल रहा था. इसी रंजिश के चलते बुधवार को विकास लाला अपने साथियों के साथ बरमसिया स्थित बदमाशियां मैदान पहुंचा और विष्णु शर्मा पर फायरिंग कर दी. गोली चलने के दौरान वहां मौजूद एक अन्य युवक पुष्पक कुमार भी इसकी चपेट में आ गया.

घायल पुष्पक कुमार दिल्ली में रहकर पढ़ाई करता है और होली के त्योहार को मनाने के लिए अपने घर बरमसिया दुर्गा मंडप के समीप आया हुआ था. बुधवार की शाम वह अपने दोस्तों के साथ बरमसिया मैदान में बैठा था, तभी अचानक हुई फायरिंग में उसे गोली लग गई. परिजनों के अनुसार पुष्पक का इस विवाद से कोई लेना-देना नहीं था.

घटना की सूचना मिलते ही धनसार पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी. पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं. जानकारी के अनुसार इस घटना में शामिल कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है.

गुमला के महुआडाड़ में चलती बाइक से गिरी महिला, हो गई मौत

गुमला, एजेंसी। झारखंड के गुमला जिले के महुआडाड़ थाना क्षेत्र में बुधवार को चलती बाइक से गिरने की घटना में 20 वर्षीय समिता देवी (पति दिलीप मुंडा) की मौत हो गई. शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया. हादसे के बाद इलाके में शोक और चिंता का माहौल बन गया. हादसे में महिला समिता देवी के अलावा, अन्य दो सवार सुरक्षित हैं. प्राप्त जानकारी के अनुसार, समिता देवी अहीरपुरवा निवासी हैं. वे अकासी गांव निवासी बिपिन मुंडा और बाला महुआ निवासी रोहित मुंडा के साथ एक ही बाइक पर सवार होकर महुआडाड़ बाजार गई थीं. बाजार से लौटते समय शाम करीब 4:00 बजे दवनाघर के पास समिता देवी अचानक बाइक से गिर गई. गिरने से उन्हें गंभीर चोटें आईं और उनकी हालत नाजुक हो गई. घटना की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय लोगों और परिजनों ने तुरंत उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महुआडाड़ पहुंचाया. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद समिता देवी को बेहतर इलाज के लिए गुमला सदर अस्पताल रेफर किया गया. सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया. हादसे में घायल नहीं हुए अन्य सवार सुरक्षित रहे, लेकिन घटना ने सभी को सदमा दिया. घटना की सूचना मिलने पर गुमला पुलिस अस्पताल परिसर पहुंची. पुलिस ने आवश्यक पंचनामा तैयार किया और शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया. प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि हादसा बाइक नियंत्रण खोने और सड़क पर अचानक गिरने के कारण हुआ. पुलिस ने आसपास के लोगों और परिजनों से भी पूछताछ कर दुर्घटना के सभी पहलुओं को रिकॉर्ड किया. अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा और सावधानी की दृष्टि से यह घटना चेतावनीपूर्ण है. जानकारी मिली है कि मृतका का पति चेन्नई में मजदूरी करता है. परिवार ने बताया कि समिता देवी घर की आर्थिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए बाजार गई थीं. हादसे ने परिवार को गहरे शोक में डाल दिया है. पुलिस ने क्षेत्र में वाहन चालकों और पैदल यात्रियों से सड़क पर सतर्क रहने और सावधानी बरतने की अपील की है. प्रशासन ने भी दुर्घटना के कारणों को लेकर सड़क सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया है.

होली के दिन पुरानी रंजिश में पाकुड़ के तलवाडंगा नंदीपाड़ा में चाकूबाजी, एक की मौत

पाकुड़, एजेंसी। झारखंड के पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत तलवाडंगा नंदीपाड़ा में चाकूबाजी की एक गंभीर घटना में अधेड़ देवराज सरकार उर्फ नेमुआ की मौत हो गई. घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है और हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है. मृतक के पिता मेघनाथ सरकार ने बताया कि उनका पुत्र घर से बाहर निकला ही था कि पहले से घात लगाए बैठे करीब 8 से 10 हमलावरों ने उस पर अचानक हमला कर दिया. आरोप है कि हमलावरों ने धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया.

झारखंड में बदलेगा मौसम का मिजाज

7 से 9 मार्च तक गरज-चमक के साथ हल्की बारिश

रांची, एजेंसी। राज्य में अगले कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज बदलता नजर आएगा। मौसम केंद्र के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 7 से 9 मार्च के बीच राज्य के कई हिस्सों में आंशिक बादल छाने के साथ मेघ गर्जन और हल्की वर्षा की संभावना है।

वहीं तापमान में अगले तीन दिनों के दौरान अधिकतम 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। फिलहाल भीषण गर्मी के आसार नहीं हैं, लेकिन दिन में हल्की उमस महसूस हो सकती है। पूर्वानुमान के मुताबिक 4 और 5 मार्च को राज्य में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है। आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा और मौसम शुष्क बना रहेगा। इन दो दिनों में अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 14 से 15 डिग्री के बीच रहेगा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पश्चिमी और दक्षिणी जिलों में दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है, लेकिन रात का तापमान सामान्य रहेगा।

मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक 6 मार्च की दोपहर बाद से मौसम में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। शाम के समय आंशिक बादल छाने की संभावना है। 7 और 8 मार्च को राज्य के पूर्वी और उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं गरजने वाले बादलों के साथ हल्की वर्षा हो सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री तक पहुंच सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 16 से 18 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है।

9 मार्च को भी कुछ स्थानों पर हल्के बादल और गर्जन की स्थिति बन सकती है, लेकिन 10 मार्च से फिर से मौसम शुष्क होने की संभावना है। आसमान साफ रहेगा और वर्षा की संभावना नहीं है। मौसम केंद्र ने फिलहाल किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव सामान्य मौसमी गतिविधियों का हिस्सा है।

मौसम विभाग द्वारा जारी पांच दिनों के तापमान पूर्वानुमान के अनुसार राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोत्तरी होगी।

8 मार्च तक कई जिलों में पारा 35 से 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। देवघर, धनबाद, दुमका और साहिबगंज में अधिकतम तापमान 33 डिग्री से बढ़कर 35-36 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। वहीं न्यूनतम तापमान भी 14-16 डिग्री से बढ़कर 18-20 डिग्री तक जा सकता है। गढ़वा, पलामू और चतरा में भी गर्मी का असर अधिक रहेगा। पलामू में अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री तक जाने का अनुमान है। रांची, बोकारो और हजारीबाग में पारा 31-34 डिग्री के बीच रहेगा, जबकि पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम में तापमान सबसे अधिक रहने की संभावना है। पश्चिमी सिंहभूम में 38 डिग्री तक तापमान पहुंच सकता है।

जमशेदपुर पुलिस ने मनीष सिंह को किया गिरफ्तार

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर पुलिस ने कई आपराधिक मामलों में फरार चल रहे अपराधी मनीष सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। उसे पड़ोसी जिले सरायकेला-खरसावां के चांडिल थाना क्षेत्र स्थित गोल्डन लीफ रिजॉर्ट से पकड़ा गया है। यह गिरफ्तारी पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है। मनीष सिंह की गिरफ्तारी न होने से दो दिन पहले एसएसपी ने नाराजगी व्यक्त की थी। इसके बाद जुगसलाई थानेदार को निलंबित कर गुलाम रब्बानी को नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया था।

गुलाम रब्बानी ने थाना प्रभारी का पदभार संभालने के 24 घंटे के भीतर मनीष सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को बुधवार तड़के एक गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर गोल्डन लीफ रिजॉर्ट में छापेमारी कर मनीष को पकड़ा गया। मनीष सिंह कई आपराधिक मामलों में नामजद आरोपी था और लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस के तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी गिरफ्तारी नहीं हो पा रही थी। फिलहाल, इस गिरफ्तारी को लेकर पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

हनीमून पर गए थे, अब घर लौटने की चिंता: दुबई में फंसा रांची का नवविवाहित जोड़ा

रांची, एजेंसी। रांची के रहने वाले स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अधिकारी अतुल उरांव और उनकी नवविवाहिता पत्नी डॉ. कंचन बाड़ा के लिए शादी के बाद की पहली यात्रा अचानक चिंता और अनिश्चितता में बदल गई है। 22 फरवरी 2026 को रांची में आदिवासी पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ दोनों का विवाह हुआ था। शादी के बाद परिवार और रिश्तेदारों की शुभकामनाओं के बीच उन्होंने अपने जीवन की नई शुरुआत की।

इस खास मौके को यादगार बनाने के लिए दोनों 27 फरवरी को दुबई हनीमून मनाने पहुंचे थे। उनकी वापसी 4 मार्च को तय थी, लेकिन खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव के कारण हालात अचानक बदल गए और वे वहीं फंस गए।

इसी दौरान अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर खाड़ी देशों में भी दिखाई देने लगा। एहतियात के तौर पर दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कई उड़ानें रद्द कर दी गईं। इसके कारण हजारों पर्यटक और यात्री वहां फंस गए हैं। होटल परिसरों और सार्वजनिक स्थानों पर आवाजाही भी सीमित हो गई है। इसी स्थिति में रांची का यह नवदंपति भी दुबई में ठहरने को मजबूर है। जिस यात्रा को वे जीवन की सबसे खूबसूरत याद बनाना चाहते थे, वही अब चिंता और प्रतीक्षा में बदल गई है। अतुल उरांव ने फोन पर बातचीत में बताया कि वे अपने जीवन के सबसे खास पल को मनाने दुबई आए थे, लेकिन अचानक हालात बदल गए। उन्होंने कहा कि जैसे ही उड़ानों के रद्द होने की खबर मिली, तब से चिंता बढ़ गई है। उनकी पत्नी डॉ. कंचन बाड़ा ने बताया कि यहां का माहौल सामान्य नहीं लग रहा है। कई जगह सन्नाटा है। उन्होंने कहा कि वे फिलहाल सुरक्षित हैं, लेकिन हर नई खबर के साथ बेचैनी बढ़ जाती है। दोनों की इच्छा है कि जल्द से जल्द अपने घर और परिवार के बीच लौट सकें।

इधर रांची में दोनों परिवारों में गहरी चिंता का माहौल है। शादी की खुशियों से भरा घर अब प्रार्थनाओं और इंतजार में डूबा हुआ है। परिजन लगातार संपर्क में रहने की कोशिश कर रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय हालात पर नजर बनाए हुए हैं। परिवार के लोगों ने झारखंड सरकार से मानवीय आधार पर हस्तक्षेप की मांग की है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अनुरोध किया गया है कि केंद्र सरकार और यूएई स्थित भारतीय दूतावास से समन्वय कर नवदंपति समेत खाड़ी देशों में फंसे झारखंडियों की सुरक्षित वापसी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि यह केवल एक जोड़े की नहीं, बल्कि उन कई लोगों की चिंता है जो मौजूदा अंतरराष्ट्रीय तनाव के कारण वहां फंसे हुए हैं।

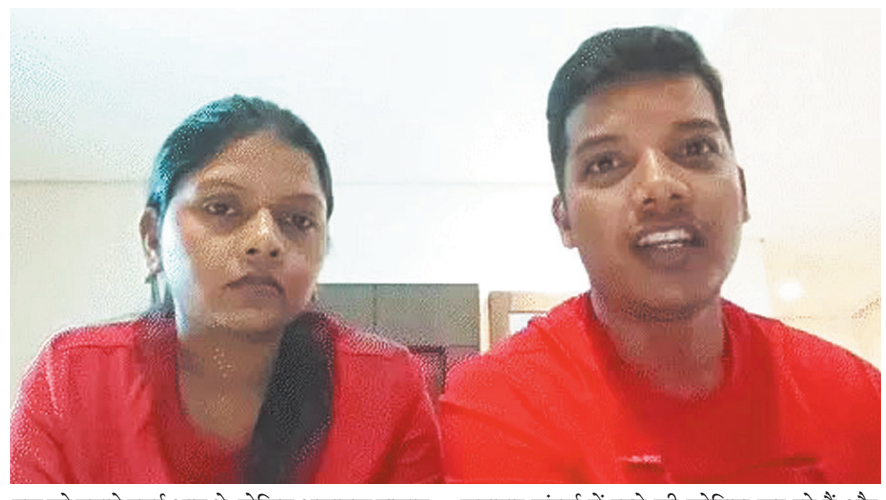

गिरिडीह में होली के दिन बड़ा हादसा: त्रिवेणी संगम में डूबकर दो किशोरों की मौत

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के जमुआ और देवरी प्रखंड की सीमा पर स्थित गोदावरी त्रिवेणी संगम में होली के दिन एक दर्दनाक हादसा हो गया। बुधवार को स्नान के दौरान गहरे पानी में डूबने से दो किशोरों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। दोनों के शव करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद नदी से बाहर निकाले जा सके। मृतकों की पहचान देवरी थाना क्षेत्र के चतरो बाजार गांव निवासी 18 वर्षीय करण कुमार और 17 वर्षीय दीपक कुमार के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, करण और दीपक होली खेलने के बाद अपने दोस्तों के साथ त्रिवेणी संगम में स्नान करने पहुंचे थे। इसी दौरान वे नदी के गहरे हिस्से में चले गए और अचानक डूबने लगे। साथ मौजूद दोस्तों ने उन्हें बचाने की कोशिश की और शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया, लेकिन तब तक दोनों किशोर पानी में समा चुके थे। देखते ही देखते खुशियों का माहौल चीख-पुकार में बदल गया और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण और युवक नदी में उतरकर खोजबीन में जुट गए। बाद में बेंगाबाद के खंडोली से गोताखोरों की टीम भी मौके पर पहुंची। लगभग चार घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद दोनों किशोरों के शव नदी से बाहर निकाले गए। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस भी मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

जब दोनों किशोरों के शव गांव पहुंचे तो पूरे इलाके का माहौल गमगीन हो गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था और गांव में मातम छा गया। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से त्रिवेणी संगम पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और नदी के खतरनाक गहरे हिस्सों को चिह्नित करने की मांग की है। वहीं कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अगर समय पर एनडीआरएफ की टीम पहुंच जाती तो दोनों किशोरों की जान बच सकती थी। लोगों ने पुलिस प्रशासन पर भी लापरवाही का आरोप लगाते हुए वरीय अधिकारियों से इस मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

धनबाद में होली के जश्न में चली गोलियां: बरमसिया फुटबॉल ग्राउंड में विवाद

धनबाद, एजेंसी। धनबाद में होली के जश्न के बीच फायरिंग की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। धनसार थाना क्षेत्र के बरमसिया फुटबॉल ग्राउंड में होली के दौरान अचानक हुए विवाद में दो युवकों को गोली लग गई। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। घायल युवकों को आनन-फानन में इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की। घटना के पीछे की वजहों को खंगाला जा रहा है।

घायलों की पहचान बरमसिया क्षेत्र के रहने वाले विष्णु कुमार और पुष्पक मिश्रा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार विष्णु कुमार के पैर में गोली लगी है, जबकि पुष्पक मिश्रा के पेट में गोली लगने से उसकी हालत ज्यादा गंभीर बताई जा रही है।

दोनों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि होली के जश्न के दौरान अचानक विवाद बढ़ गया और देखते ही देखते गोली चलने की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा।

बरमसिया त्रिमूर्ति सदन के पास रहने वाले विष्णु कुमार ने बताया कि वह ठेकेदार विकास लाला के लिए पेटी कॉन्ट्रैक्टर के रूप में काम करता था। गोधरा में एक अस्पताल निर्माण कार्य के दौरान उसके करीब ढाई लाख रुपये बकाया थे। विष्णु का आरोप है कि जब उसने अपने पैसे की मांग की तो विवाद बढ़ गया। विकास लाला व उसके साथियों ने उस पर गोली चला दी। वहीं, घायल पुष्पक मिश्रा ने बताया कि वह दिल्ली में पढ़ाई करता है। अपने दादा की तेरहवीं में शामिल होने बरमसिया आया हुआ था। उसने कहा कि होली के दौरान अचानक मारपीट शुरू हो गई और इसके बाद गोली चलने लगी।

धनसार थाना प्रभारी मनोहर करमाली ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार डीजे बजाने को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद स्थिति बिगड़ गई और गोली चली। हालांकि पुलिस को अलग-अलग तरह की जानकारी भी मिल रही है।

एक पक्ष पैसों के लेनदेन का विवाद बता रहा है, जबकि दूसरा पक्ष जमीन खरीद-बिक्री के मामले को कारण बता रहा है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

गिरिडीह में सड़क पर होली खेलने को लेकर झड़प, हंगामे में गर्भवती समेत कई घायल

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह शहर के नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत हरिजन टोला में होली खेलने के दौरान पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों के बीच झड़प हो गई। इस घटना में एक गर्भवती महिला समेत कई लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, मोहल्ले के लोग सड़क पर एक साथ होली खेल रहे थे। इसी दौरान नगर थाना की पुलिस वहां पहुंची और लोगों को सड़क पर होली खेलने से मना करते हुए अपने-अपने घरों के पास त्योहार मनाने की हिदायत दी। इस बात को लेकर पुलिस और ग्रामीणों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते झड़प में बदल गई।

घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पुलिसकर्मियों ने लोगों के साथ अभद्र व्यवहार किया और जातिसूचक गालियां देते हुए लाठीचार्ज कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार इस दौरान एक गर्भवती महिला समेत करीब छह लोग घायल हो गए।

लोगों का यह भी आरोप है कि पुलिसकर्मी मोहल्ले के अंदर घुसकर लोगों को लाठी दिखाकर डराने-धमकाने लगे और सड़क पर होली खेलने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। घटना के बाद पूरे इलाके में आक्रोश का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। घटना से आक्रोशित ग्रामीण बाद में नगर थाना पहुंचे और पुलिस के खिलाफ विरोध जताते हुए घेराव किया। ग्रामीणों ने गिरिडीह के पुलिस अधीक्षक (एसपी) डॉ. विमल कुमार को एक लिखित आवेदन सौंपा। आवेदन में नगर थाना पुलिस पर जातिसूचक गाली-गलौज और मारपीट का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की गई है।

धनबाद में अफसरों ने मनाई होली: डीसी-एसएसपी आवास पर एकजुटता, दिया शांति-सौहार्द का संदेश

धनबाद, एजेंसी। रंगों के त्योहार होली पर धनबाद में प्रशासनिक अधिकारियों ने पूरे उत्साह के साथ जश्न मनाया। उपायुक्त (डीसी) और वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के आवास पर अधिकारियों का जमावड़ा हुआ, जहां रंग-गुलाल के बीच भाईचारे और शांति का संदेश दिया गया। होली के अवसर पर एसएसपी प्रभात कुमार के आवास पर जिले के पुलिस पदाधिकारी एकत्रित हुए। इस मौके पर ग्रामीण एसपी, सिटी एसपी, सभी डीएसपी और जिले के विभिन्न थाना प्रभारी मौजूद रहे। ढोल-नगाड़ों की थाप पर अधिकारियों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। माहौल पूरी तरह से रंगमय और उत्साह से भरा रहा। कई अधिकारियों ने पारंपरिक अंदाज में होली खेली और मिट्टी से भी होली का आनंद लिया। इसके बाद सभी अधिकारी डीसी आदित्य रंजन के आवास पहुंचे। यहां भी रंगों की बौछार के बीच होली का जश्न मनाया गया और अधिकारियों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर आपसी सद्भाव व भाईचारे का संदेश दिया। इस अवसर पर एसएसपी प्रभात कुमार ने जिलेवासियों को होली की शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त समाचार

आठ मार्च को रांची में महिलाओं के हाथ होगी स्टेशन से विशेष ट्रेन तक रेल की कमान

रांची, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को भारतीय रेलवे के रांची रेल मंडल द्वारा रांची में एक विशेष ट्रेन चलाई जाएगी, जिसकी पूरी कमान महिला कर्मियों के हाथ में होगी। रांची-इरगांव मेमू पैसेंजर का संचालन पूरी तरह महिलाओं द्वारा किया जाएगा। ट्रेन सुबह 8:55 बजे रांची रेलवे स्टेशन के लोहरदगा प्लेटफार्म से रवाना होगी। लोहरदगा पुल में दरार आने के कारण इस रूट पर ट्रेनों का परिचालन प्रभावित है। पहले यह ट्रेन टोरी तक चलती थी, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए इसे इरगांव तक ही सीमित रखा गया है। इस विशेष ट्रेन में करीब 15 महिला कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। लोको पायलट, गार्ड और तीन महिला टीटीई के साथ रेल सुरक्षा बल की पांच महिला जवान सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगी। इसके अलावा चिकित्सा विभाग, सफाई व्यवस्था और समपार फाटक संचालन की जिम्मेदारी भी महिलाओं के पास होगी। ट्रेन में यात्रा करने वाली महिला यात्रियों से फीडबैक भी लिया जाएगा, ताकि सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर किया जा सके। सिर्फ ट्रेन ही नहीं, बल्कि आठ मार्च को रांची रेलवे स्टेशन पर भी अधिकांश जिम्मेदारियां महिला कर्मियों द्वारा निभाई जाएंगी। स्टेशन प्रबंधन से लेकर बुकिंग काउंटर, यांत्रिक विभाग, चिकित्सा सेवा, सफाई व्यवस्था और समपार फाटक तक का संचालन महिलाओं के हाथ में रहेगा। इस दिन स्टेशन प्रबंधक की जिम्मेदारी भी महिला अधिकारी संभालेंगी।

रांची रेल मंडल पिछले कई वर्षों से महिला दिवस पर यह परंपरा निभाता आ रहा है और इस वर्ष भी इसे जारी रखा गया है। सीपीआरओ शुचि सिंह के अनुसार, महिला दिवस पर वीमेंस स्पेशल ट्रेन का परिचालन महिलाओं द्वारा किया जाएगा। यह पहल केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि रेल संचालन जैसे जिम्मेदार और तकनीकी क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और दक्षता का प्रतीक है।

झारखंड में डिप्टी मेयर और उपाध्यक्ष चुनाव के लिए जोड़तोड़ तेज, 10 से 20 मार्च तक प्रक्रिया

रांची, एजेंसी। 48 नगर निकायों में मेयर, अध्यक्ष और वार्ड पार्षदों के चुनाव संपन्न होने के बाद अब अप्रत्यक्ष चुनाव वाले महत्वपूर्ण पदों डिप्टी मेयर (नौ नगर निगमों में) और उपाध्यक्ष (39 नगर परिषद/नगर पंचायतों में) के लिए राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। पार्षदों के बीच खुलेआम जोड़-तोड़ शुरू हो चुका है, जिसमें धनबल और बाहुबल दोनों का इस्तेमाल दिखाई दे रहा है। होली के बहाने कई जगहों पर होली मिलन के नाम पर लॉबिंग और बैठकें हुईं, जहां पदों के लिए सौदेबाजी चर्चा है। राज्य निर्वाचन आयोग ने इन अप्रत्यक्ष चुनावों के लिए स्पष्ट शेड्यूल जारी किया है। अधिसूचना होली के बाद जारी होने की संभावना है, लेकिन प्रक्रिया 10 मार्च से शुरू होकर 20 मार्च तक पूरी कर ली जाएगी। प्रमुख नगर निगमों में चुनाव की तारीखें इस प्रकार हैं।

झारखंड में एसआईआर: 73 प्रतिशत मतदाताओं का पहले से सत्यापन, अब 100 दिनों में पूरा होगा

रांची, एजेंसी। झारखंड में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अप्रैल माह से शुरू होगा। इसके शुरू होने की तिथि की घोषणा शीघ्र होगी।

भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार को पत्र भेजकर अप्रैल से एसआईआर शुरू होने की जानकारी देते हुए इसकी तैयारियों को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि राज्य में एसआईआर को लेकर पूर्व गतिविधियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। तैयारियां भी पूरी हैं।

11 मार्च को इसे लेकर बैठक बुलाई गई है, जिसमें तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। उनके अनुसार, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा शीघ्र ही तिथि की घोषणा की जाने की संभावना है। राज्य में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण पूरा होने में तीन माह का समय लगेगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के अनुसार, इसमें 90 से 100 दिन लगते हैं। कुछ राज्य इस अवधि के विस्तार की मांग करते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि झारखंड में एसआईआर तीन माह में पूरा कर लिया जाएगा। यहां अवधि विस्तार के अनुरोध करने की आवश्यकता नहीं होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के अनुसार, पूर्व एसआईआर गतिविधियों के तहत राज्य में 73 प्रतिशत मतदाताओं का पिछले एसआईआर से सत्यापन हो चुका है। राज्य में पिछला एसआईआर वर्ष 2003 में हुआ था। एसआईआर को लेकर वर्ष 2003 की मतदाता सूची को सार्वजनिक किया जा चुका है। एसआईआर में मतदाताओं की संख्या कम होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक एसआईआर में मतदाताओं की संख्या में कमी आती है।

नोवामुंडी में कपड़ाफाड़ होली की धूम, बाजार चौक रंगों से सराबोर

नोवामंडी, एजेंसी। रंगों के पावन पर्व होली पर बुधवार को झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले का नोवामुंडी पूरी तरह रंगमय नजर आया. सुबह की पहली किरण के साथ ही बच्चे, युवा, पुरुष और महिलाएं सड़कों पर उतर आए. पूरे शहर में उत्साह, उमंग और भाईचारे का अनोखा संगम देखने को मिला. गली-गली और चौक-चौराहों पर 'होली है!' की गूंज सुनाई देती रही.

होली का सबसे ज्यादा उत्साह छोटे-छोटे बच्चों और युवाओं में देखने को मिला. बच्चों ने टोली बनाकर एक-दूसरे को गुलाल लगाया और रंगों से सराबोर हो गए. युवाओं की टोलियां डीजे की धुन पर झूमती नजर आईं. रंग, अबीर और गुलाल के साथ पूरे शहर का माहौल उत्सवमय बना रहा. कई स्थानों पर लोगों ने पारंपरिक गीतों के साथ होली खेली, तो कहीं आधुनिक संगीत की धुन पर लोग थिरकते दिखे. हर मोहल्ले में आपसी भाईचारे और प्रेम का संदेश देखने को मिला.

नोवामुंडी बाजार चौक में पारंपरिक कपड़ाफाड़ होली ने सबका ध्यान खींचा. युवाओं की टोली एक-दूसरे को रंग लगाते हुए मस्ती में झूमती रही. डीजे की तेज धुन और रंगों की बारिश के बीच कपड़ाफाड़ होली का अलग ही उत्साह दिखा. इस अनोखी परंपरा को देखने के लिए आसपास के लोग भी जुटे रहे. हालांकि पूरे आयोजन के दौरान शांति और अनुशासन बनाए रखा गया. किसी तरह की अव्यवस्था या झड़प की सूचना नहीं मिली.

नोवामुंडी बंगाली पाड़ा कॉलोनी, संग्राम साईं, मनसा मंदिर टोला, कुम्हार टोली, बालीझरण, सेंटर कैंप, डीवीसी कॉलोनी, डुका साईं, आजाद बस्ती और थाना कैंपस सहित पूरे क्षेत्र में होली की जबरदस्त धूम रही. लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं. कई स्थानों पर साबुन होली भी खेली गई, जिसमें रंगों के बाद साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा गया. घर-घर में मिठाइयों और पकवानों का दौर चलता रहा, जिससे त्योहार की रौनक और बढ़ गई.

थाना कैंपस में बाजार समिति के अध्यक्ष पप्पू गुप्ता अपनी टीम के साथ पहुंचे और लोगों को रंग-गुलाल लगाकर बधाई दी. वहीं टाटा स्टील के हेड एडमिनिस्ट्रेशन विभाग से निशिकांत सिंह भी मौजूद रहे. उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ होली की खुशियां साझा कीं और सौहार्द का संदेश दिया. जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की उपस्थिति से लोगों में उत्साह और बढ़ गया. सभी ने मिलकर शांति और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने का संकल्प लिया.

होली को लेकर प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क दिखा. सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरे शहर में शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के साथ पर्व मनाया गया. नोवामुंडी बीडीओ पप्पू रजक भी चौक-चौराहों पर निरीक्षण करते नजर आए, जिससे लोगों में सुरक्षा का भरोसा बना रहा. नोवामुंडी बाजार चौक और डीवीसी चौक पर सुरक्षा बल के जवान अलर्ट रहे. खास बात यह रही कि नशे में धुत कोई भी बाइक चालक सड़कों पर नजर नहीं आया, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना लगभग शून्य रही.

भाईचारे और परंपरा का संदेश

इस बार की होली ने नोवामुंडी में परंपरा, उत्साह और भाईचारे का ऐसा रंग बिखेरा, जिसे लोग लंबे समय तक याद रखेंगे. रंगों के इस त्योहार ने सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द को और मजबूत किया. पुलिस प्रशासन की सतर्कता और स्थानीय लोगों के सहयोग से कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली. शांतिपूर्ण और उल्लासपूर्ण वातावरण में होली का पर्व संपन्न हुआ, जिसने पूरे क्षेत्र को रंगों की खुशियों से सराबोर कर दिया.

गुमला के रायडीह में ऑटो पलटने से महिला की मौत, तीन घायल

गुमला, एजेंसी। झारखंड के गुमला जिले के रायडीह प्रखंड अंतर्गत सुरसांग थाना क्षेत्र के कोबजा जोगीडाड गांव में बुधवार की शाम एक दर्दनाक ऑटो दुर्घटना हुई, जिसमें 45 वर्षीय ललिता खड़ियाईन की मौत हो गई. इसके अलावा ऑटो में सवार तीन दूसरे लोग घायल हुए हैं.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ललिता खड़ियाईन पूनम डुंगडुंग के साथ दवा बनवाने के लिए ऑटो से चैनपुर प्रखंड के टोंगो गई थीं. शाम करीब 7:00 बजे दवा लेने के बाद वे लौट रही थीं. इसी दौरान बांसटोली के पास सड़क पर अचानक एक बिल्ली दौड़ गई. ऑटो चालक ने नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया. इस हादसे में ललिता खड़ियाईन को गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी स्थिति नाजुक हो गई. ऑटो में सवार इतवारी केरकेट्टा, पूनम डुंगडुंग और चालक भी घायल हो गए. स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और सभी घायलों को रात करीब 9:00 बजे सदर अस्पताल गुमला पहुंचाया गया. सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने ललिता खड़ियाईन को मृत घोषित कर दिया. शव को अस्पताल के शीत गृह में रखवा दिया गया है. घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई. डॉक्टरों ने बताया कि बाकी तीनों की हालत स्थिर है और खतरे से बाहर हैं. सुरसांग थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ललिता खड़ियाईन का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जाएगा.

गढ़वा में रगड़ दिए गए रंगीले हेडमास्टर, अश्लील गानों पर बच्चियों संग थिरक रहे थे

गढ़वा, एजेंसी। झारखंड के गढ़वा जिले के मेराल अंचल स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय सोहबरिया में छात्राओं के साथ अश्लील गानों पर डांस करने का मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग ने सख्त कार्रवाई की है. सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) कैसर रजा ने प्रभारी प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया है, जबकि दो अन्य शिक्षकों की सेवा समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है.

जानकारी के अनुसार, मेराल प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय सोहबरिया में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कुछ शिक्षक छात्राओं के साथ अश्लील गानों पर डांस करते नजर आए. इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया. वीडियो सामने आते ही मामला तेजी से फैल गया और लोगों ने स्कूल प्रबंधन की कड़ी आलोचना की.

मामले की जानकारी मिलते ही गढ़वा के जिला शिक्षा पदाधिकारी कैसर रज़ा ने जांच कराई. जांच के बाद प्रथम दृष्टया आरोप सही

पाए जाने पर प्रभारी प्रधानाध्यापक कुंदन कुमार रंजन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया. विभाग का कहना है कि विद्यालय परिसर में इस तरह का व्यवहार शिक्षा व्यवस्था और संस्थान की गरिमा के खिलाफ है. घटना में शामिल दो अन्य शिक्षकों पुरुषोत्तम पंडित और सुबेश्वर राम के खिलाफ भी सख्त कदम उठाया गया है. शिक्षा विभाग ने दोनों की सेवा समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. विभागीय अधिकारियों के अनुसार, पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी. इस घटना के सामने आने के बाद शिक्षा व्यवस्था और विद्यालयों में अनुशासन को लेकर सवाल उठने लगे हैं. अभिभावकों और स्थानीय लोगों का कहना है कि स्कूल बच्चों के सीखने और संस्कार देने की जगह होते हैं, ऐसे में शिक्षकों का इस तरह का व्यवहार बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है.

शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि विद्यालयों में अनुशासन और नैतिक मूल्यों से समझौता नहीं किया जाएगा. भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए भी कड़ी निगरानी रखने की बात कही गई है.

गुमला में पेड़ से टकराई तेज रफ्तार बाइक, एक की मौत, एक घायल

गुमला, एजेंसी। झारखंड के गुमला में बुधवार की दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 45 वर्षीय जगदीश दास की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 25 वर्षीय पंकज कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए. दोनों मूल रूप से बेगूसराय के निवासी हैं और गुमला में किराये के मकान में रहकर टाइल्स मिस्त्री का काम करते थे.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों मजदूर गुमला के कोटाम क्षेत्र में टाइल्स लगाने का काम कर रहे थे. बुधवार को होली पर्व के कारण वे दोपहर करीब 12:30 बजे अपनी बाइक से कोटाम से गुमला लौट रहे थे. इसी दौरान कोटाम और पनसो के बीच पेट्रोल पंप के समीप उनकी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे पेड़ से जा टकराई. हादसा इतना भीषण था कि जगदीश दास की मौके पर ही मौत हो गई. पंकज कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है.

स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों को दोपहर करीब 1:00 बजे सदर अस्पताल पहुंचाया. चिकित्सकों ने जगदीश दास को मृत घोषित कर दिया और शव को अस्पताल के शीतगृह में रखवा दिया गया. घायल पंकज कुमार का प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया. हादसे के बाद इलाके में एक तरह का शोक और दहशत का माहौल बन गया. स्थानीय लोग घटना स्थल पर जमा होकर हादसे की गंभीरता को देख सकते थे. पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही तुरंत जांच शुरू कर दी गई. पुलिस अधिकारी ने बताया कि शव की पोस्टमार्टम परिजन की आने के बाद गुरुवार को की जाएगी. प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट किया गया है कि हादसा तेज रफ्तार और सड़क पर नियंत्रण खोने के कारण हुआ. पुलिस सड़क सुरक्षा के मामलों में सतर्क रहने और हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए पूरी तरह जुटी हुई है.

इस घटना ने एक बार फिर तेज रफ्तार और सावधानी की कमी के खतरों को उजागर किया. स्थानीय प्रशासन ने बाइक और अन्य वाहन चालकों से सड़क सुरक्षा का पालन करने और तेज रफ्तार से बचने की अपील की है.

सरायकेला के नगर पंचायत अध्यक्ष मनोज चौधरी ने वृद्धाश्रम में मनाई होली, बुजुर्गों को खिलाई मिठाई

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला में इस बार होली का रंग कुछ खास नजर आया. नगर पंचायत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी ने पारंपरिक जश्न से अलग हटकर वृद्धाश्रम में जाकर बुज़ुर्गों के साथ त्योहार मनाया. उनके इस कदम ने न केवल सामाजिक संदेश दिया, बल्कि वहां मौजूद वृद्धजनों के चेहरों पर सच्ची मुस्कान भी बिखेर दी.

मनोज कुमार चौधरी अपनी पत्नी और बच्चों के साथ वृद्धाश्रम पहुंचे. उन्होंने एक-एक कर सभी वृद्धजनों को अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी. जैसे ही रंगों का स्पर्श बुजुर्गों के चेहरे पर पड़ा, उनके चेहरे खुशी से खिल उठे. लंबे समय बाद किसी जनप्रतिनिधि को अपने बीच पाकर वे भावुक भी नजर आए. वृद्धजनों ने मनोज चौधरी को आशीर्वाद देते हुए उनकी जीत की बधाई दी. उन्होंने कहा कि समाज की सेवा के इस भाव को वे आगे भी कायम रखें और क्षेत्र की तरक्की के लिए निरंतर कार्य करते रहें.

होली के इस मौके पर अध्यक्ष ने वृद्धजनों के बीच मिठाई, बिस्कुट और शीतल पेय का वितरण भी किया. लेकिन यह कार्यक्रम सिर्फ औपचारिकता तक सीमित नहीं रहा. मनोज चौधरी ने सभी बुजुर्गों के साथ बैठकर हालचाल पूछा और उनकी समस्याओं को ध्यान से सुना. कई वृद्धजनों ने स्वास्थ्य, दवाइयों और नियमित देखभाल से जुड़ी अपनी परेशानियां साझा कीं. अध्यक्ष ने भरोसा दिलाया कि वे इन मुद्दों पर गंभीरता से पहल करेंगे और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे.

इस अवसर पर मनोज कुमार चौधरी ने कहा कि वृद्धजनों की सेवा करना उनका कर्तव्य है. उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्ग समाज के स्तंभ हैं, जिनके अनुभव और आशीर्वाद से ही समाज आगे बढ़ता है. ऐसे में उनका सम्मान और देखभाल हर नागरिक की जिम्मेदारी है. उन्होंने यह भी कहा कि त्योहार केवल रंग और उत्सव का नाम नहीं है, बल्कि यह आपसी प्रेम, सम्मान और संवेदनशीलता का प्रतीक है. अगर हम अपने बुजुर्गों के साथ समय बिताएं, तो वही सच्ची होली होगी.

कार्यक्रम में अध्यक्ष की पत्नी, बच्चे और कई समाजसेवी भी उपस्थित रहे. सभी ने मिलकर बुजुर्गों के साथ समय बिताया और त्योहार की खुशियां साझा कीं. नगर पंचायत अध्यक्ष की इस पहल की स्थानीय स्तर पर सराहना हो रही है. लोगों का मानना है कि जनप्रतिनिधियों को इसी तरह समाज के हर वर्ग से जुड़कर काम करना चाहिए. इस पहल ने यह संदेश दिया कि रंगों का असली अर्थ रिश्तों में अपनापन और संवेदनशीलता जगाना है.

नेतरहाट में बनेगा भव्य एम्यूजमेंट पार्क, जुबली पार्क की तर्ज पर होगा निर्माण

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार लातेहार जिला स्थित नेतरहाट में जमशेदपुर स्थित निक्को जुबली पार्क की तर्ज पर एम्यूजमेंट पार्क का निर्माण करेगी।

राज्य सरकार के पर्यटन, कला संस्कृति एवं खेलकूद विभाग ने इसे लेकर लातेहार के उपायुक्त से प्रस्ताव मांगा है। उपायुक्त से एम्यूजमेंट पार्क के लिए उपयुक्त जमीन चिह्नित कर उसका प्रस्ताव देने को कहा गया है।

विभाग ने जिला पर्यटन संवर्द्धन परिषद के अध्यक्ष के रूप में उपायुक्त को यह प्रस्ताव देने को कहा है, ताकि पार्क के निर्माण के लिए केंद्र से आर्थिक सहयोग लिया जा सके।

जमशेदपुर में निक्को जुबली पार्क राज्य का प्रमुख मनोरंजन केंद्र और पिकनिक स्थल है, जिसे वर्ष 1958 में टाटा स्टील की ओर से बनाया गया था।

यह पार्क अपने रोमांचक राइड्स, वाटर पार्क (स्प्लैश ज़ोन), बच्चों के खेल क्षेत्र, म्यूजिकल फाउंटेन और चिड़ियाघर के लिए प्रसिद्ध है।

प्रत्येक वर्ष एक जनवरी तथा अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर यहां बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। बताते चलें कि पहाड़ों की रानी नाम से चर्चित नेतरहाट राज्य का प्रमुख पर्यटन क्षेत्र है।

पर्यटक मुख्य रूप से यहां की प्राकृतिक खूबसूरती के अलावा सनसेट देखने आते हैं, जो काफी आकर्षक होता है। यहां राज्य का सबसे प्रतिष्ठित सरकारी विद्यालय नेतरहाट आवासीय विद्यालय भी है।

राज्य सरकार ने नेतरहाट को 'ए' श्रेणी के पर्यटक स्थल के रूप में अधिसूचित किया है। यहां पर्यटन के विकास के लिए नेतरहाट पर्यटन विकास प्राधिकार का भी गठन किया गया है।

इधर, भारत सरकार ने स्वदेश योजना के तहत नेतरहाट के पर्यटकीय विकास के लिए योजना की स्वीकृति प्रदान की है। इस योजना के तहत यहां के कोयल व्यू प्वाइंट एवं नेतरहाट लेक के पास पर्यटकीय विकास किया जा रहा है।

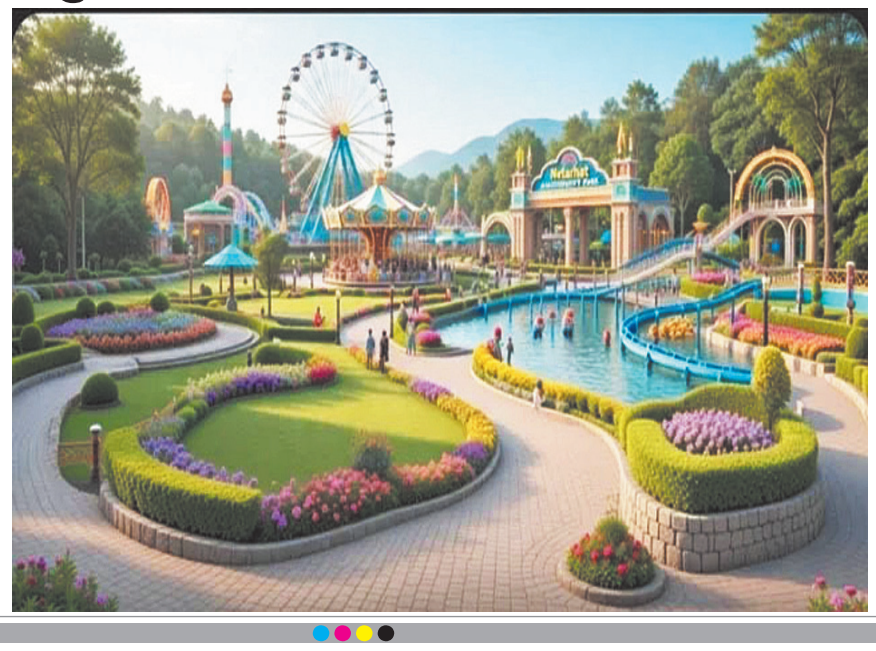

रंगों से सराबोर है जनता, ड्यूटी निभाते मन रही पुलिस-अर्द्ध सैनिक बल की होली, एसपी ने खिलाई मिठाई

गिरिडीह, एजेंसी। उत्साह, प्रेम और रंगों का त्योहार होली की धूम चारों तरफ है. बड़े हो या बूढ़े, अमीर या गरीब सब उल्लास में जुटे हैं. चारों तरफ युवकों की टोली घूम रही है. एक दूसरे को रंग लगाया जा रहा है. लोग तरह तरह के पकवान का आनंद ले रहे हैं. इन सबों के इतर पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों की होली फीकी है. परिवार से दूर, रंग से दूर जवान के साथ अधिकारी ड्यूटी में लगे हैं. सुबह से लेकर रात तक चौक चौराहों से लेकर गली – मोहल्ले तक जवान तैनात हैं. इनकी ड्यूटी है कि विधि व्यवस्था कायम रहे, लोग शांति से पर्व का आनंद ले सके.

गिरिडीह के बड़ा चौक में तैनात एसएसबी के पदाधिकारी गुनाधर ने बताया कि उनकी होली, दिवाली, दुर्गा पूजा इसी तरह से बीतती है. पश्चिम बंगाल के रहने वाले गुनाधर कहते हैं परिवार की याद आती है लेकिन लोगों की, देश की सुरक्षा पहले जरुरी है. यहीं पर तैनात एसएसबी के जवान दिनेश तिवारी कहते हैं घर जाने का इच्छा तो रहती है लेकिन पहले विधि व्यवस्था को दुरुस्त रखना जरूरी है. यहीं पर तैनात पुलिस इंस्पेक्टर दिनेश कुमार कहते हैं कि पहले कर्तव्य का पालन करना जरूरी है.

इधर परिवार से दूर रहते हुए सुरक्षा में तैनात जवानों की हौसला अफजाई करने और परिवार का माहौल देने की कोशिश गिरिडीह में की गई. यहां एसपी डॉ बिमल कुमार के नेतृत्व में पुलिस अधिकारी निकले और सभी जवानों को होली की मिठाई खिलायी. कहा कि सुरक्षा में तैनात जवानों के बीच खुशियां बांटी जा रही है. उनसे सभी अधिकारी मिल रहे हैं. मिठाई खिला रहे हैं, भोजन की भी व्यवस्था हरेक थाना इलाके में की गई है.

संक्षिप्त समाचार

प्रेमी जोड़े को रंग खेलते हुए परिजनों ने पकड़ा, मंदिर में कराई शादी

गया, एजेंसी। गया जिले के इमामगंज प्रखंड अंतर्गत केंदुआ गांव में होली के दिन एक अनोखी घटना सामने आई। प्रेमी जोड़े को रंग खेलते हुए परिजनों ने पकड़ लिया, जिसके बाद ग्रामीणों की मौजूदगी में गांव के मंदिर में दोनों की शादी करा दी गई। घटना के बाद पूरे इलाके में इसकी चर्चा हो रही है और लोग इसे प्रेम की जीत बता रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, पथरा गांव निवासी 24 वर्षीय सतीश पासवान और 20 वर्षीय हेमंती कुमारी के बीच करीब दो वर्षों से प्रेम संबंध था। दोनों के रिश्ते की चर्चा गांव में पहले से ही थी और लड़की के परिवार को भी इस बारे में जानकारी थी।

बताया जाता है कि होली की शाम सतीश चुपके से हेमंती के घर पहुंचा था। दोनों होली का रंग खेल ही रहे थे कि तभी लड़की के परिजनों ने उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया। शोर सुनकर गांव के काफी लोग वहां जुट गए और काफी देर तक मामले पर चर्चा होती रही।

ग्रामीणों ने पहले दोनों को समझाया और परिजनों से भी बातचीत की। इसके बाद गांव के बुजुर्गों ने फैसला सुनाया कि जब दोनों पिछले दो साल से एक-दूसरे से प्रेम करते हैं और शादी करना चाहते हैं, तो इसमें देरी क्यों की जाए। सामाजिक सहमति बनते ही गांव के मंदिर को सजाया गया और स्थानीय लोगों की मौजूदगी में विधि-विधान के साथ दोनों की शादी करा दी गई।

शादी के बाद लड़की पक्ष ने लड़के के परिजनों को इसकी सूचना दी। इस घटना के बाद केंदुआ गांव में होली के रंग से ज्यादा इस शादी की चर्चा हो रही है। कुछ लोग इसे प्रेम की जीत बता रहे हैं, तो कुछ इसे गांव की सामाजिक पहल के रूप में देख रहे हैं।

बिहार में बदल रहे समीकरण: नीतीश के बाद कौन बनेगा मुख्यमंत्री

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार की सत्ता से दिल्ली भेजने में भारतीय जनता पार्टी कामयाब रही। नवंबर में हुए चुनाव भले ही नीतीश कुमार के चेहरे पर एनडीए को जीत मिली थी, लेकिन अब वह चेहरा राज्यसभा जा रहा है। 2005 से 2025 तक विभिन्न परिस्थितियों में मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार ने 10 बार शपथ ली थी। अब वह राज्यसभा के लिए नामांकन कर रहे हैं। आइए जानते हैं, कब-कब मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश ने शपथ ली और अब आगे कौन-सा चेहरा सामने आएगा

भारतीय जनता पार्टी 2014 के बाद से लगातार चौंकाने वाला काम करती रही है, खासकर चेहरे को लेकर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन को लाने के फैसले के बाद अब नीतीश कुमार को राज्यसभा का रास्ता दिखाने के रूप में नया चौंकाने वाला फैसला सामने आ चुका है। ऐसे में 2020 चुनाव के पहले चल रहे भाजपा नेता और केंद्रीय राज्यमंत्री नित्यानंद राय या 2025 चुनाव के पहले चर्चा में रहे सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा, इसकी गारंटी देता हुआ कोई सामने नहीं आ रहा है। राज्यसभा चुनाव के लिए नितिन नवीन का नाम आने के पहले उनके भी बिहार सीएम बनने की चर्चा थी। बीच में भाजपा कोटे की मंत्री श्रेयसी सिंह का भी नाम उभरा था। अब देखना है कि इन नामों में से कोई रहता है या कोई चौंकाने वाला ही चेहरा सामने किया जाता है।

नीतीश कुमार पहली बार 3 मार्च 2000 को मुख्यमंत्री बने थे। हालांकि, बहुमत न जुटा पाने की वजह से उन्हें 10

मार्च 2000 को पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद बिहार में 2005 में हुए चुनाव में नीतीश भाजपा के समर्थन से दूसरी बार मुख्यमंत्री पद पर काबिज हुए। 2010 में हुए विधानसभा चुनाव में एक बार फिर जनता ने नीतीश को ही सीएम बनाया।

लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ पार्टी के खराब प्रदर्शन की वजह से उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। इस दौरान उन्होंने जीतनराम मांझी को मुख्यमंत्री पद सौंपा। हालांकि, 2015 में जब पार्टी में अंदरुनी कलह शुरू हुई तो नीतीश ने मांझी को हटाकर एक बार फिर खुद सीएम पद ग्रहण किया। 2015 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन (जदयू, राजद, कांग्रेस और लेफ्ट गठबंधन) की एनडीए के खिलाफ जीत के बाद नीतीश कुमार एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री बने। यह कुल पांचवीं बार रहा, जब नीतीश ने सीएम पद की शपथ ली। राजद और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद नीतीश कुमार ने महागठबंधन से अलग होने का फैसला किया। उन्होंने जुलाई 2017 में ही पद से इस्तीफा दिया और एक बार फिर एनडीए का दामन थाम कर सीएम पद संभाला।

2020: जदयू की कम सीटें, फिर भी बने सीएम

2020 के विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन ने जीत हासिल की। हालांकि, जदयू की सीटें भाजपा के मुकाबले काफी घट गईं। इसके बावजूद नीतीश कुमार ने सीएम पद की शपथ ली। हालांकि, भाजपा में उनके मुख्यमंत्री पद को लेकर लंबे समय तक पसोपेश की स्थिति रही। अब नीतीश ने एनडीए से अलग होने का एलान कर एक बार फिर इस्तीफा दे दिया है। एनडीए से अलग होने के एलान के ठीक बाद नीतीश कुमार ने राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन से जुड़ने का एलान कर दिया। इसी के साथ यह तय हो गया कि नीतीश कुमार अब आठवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। मंगलवार शाम तक शपथग्रहण के समय का एलान भी हो गया। बुधवार को उन्होंने आठवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। जनवरी 2024 में, भ्रष्टाचार की बात कह सीएम नीतीश कुमार ने महागठबंधन से नाता तोड़ दिया। महागठबंधन और खासकर तेजस्वी यादव पर गड़बड़ करने का आरोप लगाया। नीतीश कुमार ने एक बार फिर महाएनडीए में शामिल हो गए और नौंवी बार उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। नवंबर 2025, में बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड जीत मिलने के बाद एक बार फिर नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बन गए। उन्होंने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वह बिहार में सबसे लंबे समय तक सत्ता संभालने वाले मुख्यमंत्री भी हैं। बिहार में अभी तक किसी भी मुख्यमंत्री का कार्यकाल इतना लंबा नहीं रहा है। इस तरह वह बिहार के पहले ऐसे मुख्यमंत्री बन गए, जिन्होंने 10 बार सीएम पद की शपथ ली है। उनके नाम बिहार में सबसे लंबे समय पर सत्ता में रहने का रिकॉर्ड पहले से ही है।

नीतीश कुमार जाएंगे राज्यसभा, छोड़ेंगे सीएम की कुर्सी; `जस्वी बोले- बीजेपी अब जदयू को खत्म कर देगी

पटना, एजेंसी। बिहार में सियासी पारा हाई है। नीतीश कुमार ने राज्यसभा चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है। उन्होंने एक्स पोस्ट के लिए जरिए इस बात की जानकारी साझा की। साफ है कि अब नीतीश कुमार सीएम की कुर्सी छोड़ेंगे। इस सबके बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी बयान दिया है।

जनादेश का अपमान बीजेपी को पड़ेगा भारी', सांसद पप्पू यादव ने भाजपा पर बोला हमला

पटना, एजेंसी। बिहार में आज बड़ा सियासी उलटफेर देखने को मिल सकता है। सीएम नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने का मन बना लिया है और अब बिहार में अगला मुख्यमंत्री बीजेपी का होगा।

सूत्र बता रहे हैं कि कल नीतीश कुमार पटना में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में नॉमिनेशन फाइल करेंगे। राज्सभा का चुनाव 16 मार्च को होगा और इसी दिन नतीजे आएंगे।

नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की खबरों के बीच विपक्षी दल के नेताओं की भी प्रतिक्रिया सामने आ रही है। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने सोशल मीडिया पेज पर बीजेपी को लेकर तंज कसा है।

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने सोशल मीडिया एकाउंट पर पोस्ट किया कि जब जनादेश नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाए रखने के लिए आया था तो तीन महीने में बीजेपी उसका हरण क्यों कर रही है जनादेश का अपमान भाजपा को बहुत भारी पड़ेगी। समूल नष्ट होना तय है।

होली ड्यूटी से गायब 37 पुलिसकर्मी सस्पेंड, एसपी स्वर्ण प्रभात ने की कड़ी कार्रवाई

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के मोतिहारी जिले में होली ड्यूटी से गायब रहनेवाले 37 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है. जिले के एसपी स्वर्ण प्रभात ने यह कार्रवाई की है. इससे पहले बिहार पुलिस मुख्यालय ने सभी पुलिस अधीक्षकों को रमजान और होली पर्व को लेकर दिशा निर्देश जारी किए थे, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है.

पूर्वी चंपारण जिले में एसपी स्वर्ण प्रभात की इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है. एसपी लापरवाही को अनुशासनहीनता मानते हैं. पूर्वी चंपारण पुलिस ने बयान जारी कर कहा कि, निर्देश जारी कर कहा गया था कि होली त्यौहार को देखते हुए मोतिहारी में प्रशिक्षुओं पुलिसकर्मियों की नियुक्ति की गई थी. लेकिन जांच के दौरान 2 मार्च को 37 सिपाही ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए, जिन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है.

एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि, होली जैसे संवेदनशील पर्व पर यह कृत्य उनकी कर्तव्यहीनता, अनुशासनहीनता एवं वरीय पदाधिकारी के आदेशों की अवहेलना को दर्शाता है. पर्व-त्यौहार पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी. ऐसी स्थिति में इन सभी प्रशिक्षु सिपाहियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है. साथ ही विभागीय कार्यवाही के विरुद्ध 7 दिनों के अंदर स्पष्टीकरण समर्पित करने का आदेश दिया जाता है. पर्व में खलल डालने वालों पर नजर: पुलिस अधीक्षक ने लोगों से अपील करते हुए कहा, त्यौहार के अवसर पर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट और मुस्तैद है. जिले में शराबबंदी कानून और सार्वजनिक शांति भंग करने वालों पर सीसीटीवी से नजर रखी जा रही है, और ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. इससे पहले पुलिस मुख्यालय ने होली और रमजान पर्व के मौके पर प्रदेश भर में 30 हजार अतिरिक्त पुलिस बल नियुक्त किया है. बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने कहा कि, प्रदेश में पर्व-त्यौहारों पर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है. अतिरिक्त बल प्रतिनियुक्त किए गए हैं.

पटना के कार वॉशिंग सेंटर में भीषण आग, मौके पर पहुंची 14 दमकल की गाड़ियां

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना के रूपसपुर इलाके में एक कार वॉशिंग सेंटर में अचानक भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई. आग इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में लपटें आसमान छूने लगीं और आसपास के लोग दहशत में आ गए. धूए का गुबार पूरे आसमान पर छा गया. आग लगने की सूचना मिलने के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड की 14 गाड़ियां पहुंची. दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका. जैसे ही कार के वर्कशॉप में आग लगी, आसपास के घरों को खाली करा दिया गया. फिलहाल आग लगने से हुए नुकसान का आंकलन किया जा रहा है.

आग को फैलने से रोकने के लिए आसपास के दुकानों और मकानों को खाली कराया गया, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया. दानापुर अग्निशमन पदाधिकारी के मुताबिक शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी. इस घटना में कई लग्जरी गाड़ियां बर्बाद हो गई. जिससे लाखों का नुकसान हुआ है.

हादसे में अब तक पांच कारों के जलकर राख होने की सूचना है. हालांकि, किसी के हताहत होने की खबर अब तक सामने नहीं आई है. फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है. वहीं रूपसपुर थाना अध्यक्ष अपने दल-बल के साथ मौके पर मौजूद रहे और सुरक्षा व्यवस्था संभाली. पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी थी ताकि राहत एवं बचाव कार्य में कोई बाधा न आए. प्रशासन की तत्परता और दमकलकर्मियों की मेहनत से बड़ा नुकसान होने से बचाव हो सका. फिलहाल मामले की विस्तृत जांच की जा रही है.

बेवफाई करने वाले नीतीश कुमार जी', रोहिणी के पोस्ट से मची खलबली; बोलीं- बीजेपी ने दबाई कमजोर नस

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यसभा चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है। नीतीश कुमार के इस फैसले से बिहार में सियासी पारा हाई हो गया है। लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भी इस पूरे सियासी घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अपनों के साथ बारम्बार बेवफाई करने वाले नीतीश कुमार जी खुद के गर्त में धकेले जाने और अपनी बदहाली के आप खुद जिम्मेदार हैं। आपके साथ आज जो हो रहा आप उसके ही हकदार हैं। रोहिणी आचार्य ने आगे लिखा- आज अवसरवादिता के शिखर पुरुष नीतीश कुमार जी को जैसा निर्णय लेने के लिए भाजपा के द्वारा मजबूर किया गया, ये तो 28 जनवरी, 2024 को ही तय हो गया थ, जब नीतीश कुमार जी ने गुलाटी मारने की अपने जगजाहिर कौशल की पुनरावृत्ति करते हुए महागठबंधन/इंडिया अलायन्स का साथ छोड़ा था। बकौल रोहिणी, कुर्सी से चिपके रहने की अपनी स्वभावतः मजबूरी की वजह से ही आज नीतीश कुमार जी उस भाजपा के हाथों की कठपुतली बन चुके हैं, जो अपने सहयोगियों की राजनीतिक कब्र खोदने और उनको दफनाने के लिए ही जानी जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे जी का जो हश्र भाजपा ने किया, नीतीश कुमार जी उससे भी नहीं चेते और अपने पुराने समाजवादी साथियों के बार-बार आगाह करने के बावजूद खुद ही कब्र सरीखी भाजपा की गोद में जा बैठे। रोहिणी ने कहा कि अपने ही विनाश के लिए भाजपा के द्वारा जारी तुगलकी फरमान पर अपनी रजामंदी देने वाले नीतीश कुमार जी के बारे में अब दो बातें तो जाहिर एवं साबित होती हैं- नीतीश कुमार जी की सोचने-समझने की शक्ति पूरी तरह से क्षीण हो चुकी है और नीतीश कुमार जी की कोई बहुत कमजोर नस भाजपा ने जरूर दबा रखी है।

देसी रंग में डूबे विदेशी पर्यटक, बोधगया में लोगों के साथ जमकर खेली होली

गया, एजेंसी। आज पूरे देश में रंगों का त्योहार होली मनाया जा रहा है. लोग एक-दूसरे को कलर लगा रहे हैं. होली पर्व की खुमारी न सिर्फ भारतीयों में बल्कि विदेशी लोगों के सिर चढ़कर बोल रही है. बिहार के बोधगया में वियतनाम से आए पर्यटकों ने बोधगया के बकरौर गांव में स्थानीय लोगों के साथ मिलकर जमकर होली खेली. रंगों के महान पर्व में विदेशी मेहमान भी रंगों में सराबोर नजर आए.

वियतनाम के पर्यटकों ने मनाई होली : वियतनाम के 16 सदस्यों का एक शिष्टमंडल ने बोधगया के बकरौर गांव जा कर वहां के लोगों के साथ होली का जश्न मनाया. स्थानीय लोगों के साथ उन लोगों ने रंग और अबीर लगाया. सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर प्रेम और मानवता का संदेश दिया. साथ ही संदेश दिया कि त्योहार किसी सरहद, किसी भाषा, पहनावे रंग ढंग की मोहताज नहीं है, बल्कि त्योहार को सभी धर्म जाति के लोग एक दूसरे के साथ मना कर खुशियां बटोरते है.

शहर में अभी हजारों विदेशी नागरिक मौजूद हैं, जो अपने मित्रों के साथ और स्थानीय जगहों पर जाकर होली का जश्न मना रहे हैं. वैसे भी यह पारंपरिक त्योहार होली सिर्फ भारत देश में ही नहीं बल्कि भारतीय सीमा के पार भी मनाई जाती है.'' - मुरारी कल्याण, स्थानीय नागरिक

विदेशी मेहमान ने होली के पारंपरिक गीतों पर झूमते भी दिखे. ढोल और संगीत की धुन पर उन्होंने भारतीय संस्कृति की एक झलक का आनंद भी लिया. वियतनाम से आए विदेशियों ने बताया कि भारत की संस्कृति और यहां के त्योहारों को करीब से जानने का उन्हें अवसर मिला है.

बता दे कि यह सभी विदेशी महमान पिछले कई दिनों से यहां रुककर परंपराओं को जानने और समझने की कोशिश कर रहे हैं. वियतनामी व्यक्ति डेविस ने बताया कि गया के स्थानीय लोगों के साथ होली मना कर उन्हें बेहद खुशी महसूस हुई है. उन्होंने भारत और वियतनाम के बीच संबंधों को और भी मजबूत करने पर जोर दिया.

स्थानीय व्यक्ति अनूप कुमार ने बताया कि विदेशी मेहमानों ने बोधगया के कई इलाकों में जाकर होली मनाई है. बकरौर में एक स्कूल के छात्रों के साथ जापान के नागरिकों ने होली का जश्न मनाया है. जापानी पर्यटकों ने होली के संबंध में छात्रों और स्थानीय लोगों से जानकारी ली उसके महत्व के बारे में जाना.

बिहार में शुरू हो गई गर्मी, 10 मार्च को हो सकती है बारिश; 5 जिलों के लिए अलर्ट

पटना, एजेंसी। बिहार में मौसम का मिजाज अब तेजी से बदल रहा है। मार्च शुरू होते ही गर्मी ने लोगों को सताना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य का तापमान अभी और बढ़ेगा। दिन और रात की हल्की सिहरन भी धीरे-धीरे अब कम हो रही है। कई जगहों पर दोपहर में तेज हवाएं चल रही हैं। पटना मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में दिन और रात दोनों के तापमान में और बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। हालांकि, आने वाले दिनों में कुछ क्षेत्रों में आंशिक बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने की संभावना भी जताई गई है।

ऐसे में जहां एक ओर गर्मी बढ़ने का संकेत है। वहीं, दूसरी ओर कुछ जगहों पर बादल और बूंदाबांदी से बिहार को लोगों को थोड़ी राहत मिल सकती है।

आईएमडी द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार अगले 6 दिनों के दौरान प्रदेश का मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है। इसके बाद यानी 10 मार्च को सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार जिले के एक या दो स्थानों पर वर्षा होने का पूर्वानुमान है। हालांकि, इस दौरान हवा की गति भी तेज रहेगी। बारिश के साथ 30 से 40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं भी चलने की संभावना है। गरज चमक के साथ व्रजपात होने की भी संभावना है। इसीलिए इन 5 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

पटना का अधिकतम तापमान 31.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 18.4 डिग्री सेल्सियस रहा। भागलपुर का अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 15.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

वहीं गया जी का अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 15.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मुजफ्फरपुर का अधिकतम तापमान 29.4 और न्यूनतम तापमान 18.1 रहा।

समस्तीपुर में बाइक-ट्रैक्टर के बीच टक्कर, साले की मौत

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर के हसनपुर थाना क्षेत्र के कुर्बन अकनोमा गांव के पास होली के दिन ट्रैक्टर और बाइक के बीच टक्कर हो गई। इसमें साले की मौत हो गई। जबकि जीजा की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना पर पहुंची हसनपुर थाने की पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। मृतक की पहचान लरझाघाट थाना क्षेत्र के बेलोन गांव निवासी इंद्र नारायण यादव के बेटे शिवम कुमार (22) के रूप में की गई है। जबकि जख्मी हसनपुर थाना क्षेत्र के बेलोन गांव निवासी रामचंद्र यादव के बेटे नूनू बाबू यादव के रूप में की गई है। घटना के संबंध में बताया गया है कि नुनू अपने साला शिवम के साथ बाइक से होली के मौके पर घर से निकाला था ।इसी दौरान कुर्बन अकनोमा गांव के पास सामने से आ रही ट्रैक्टर से दोनों की टक्कर हो गई। इस घटना में साले बहनोई गंभीर रूप से जख्मी हो गये। घटना की सूचना मिलने पर जुटे आसपास के लोगों ने दोनों को तत्काल हसनपुर पीएससी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने शिवम को मृत घोषित कर दिया। जबकि नुनू को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया। परिवार के लोग उसका उपचार निजी अस्पताल में करा रहे हैं। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर देर शाम पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। लोगों का कहना है कि शिवम भाकपा-माले संगठन से भी जुड़ा हुआ था।

रोसरा की डीएसपी संजय सिन्हा ने बताया कि बाइक और ट्रैक्टर के बीच हुई टक्कर में युवक की मौत हुई है। इस घटना में एक अन्य युवक भी जख्मी है। जिसका उपचार निजी अस्पताल में चल रहा है। घटना को लेकर एक प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

तिहाड़ जेल से छूटने के बाद अमेठी पहुंचे एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष

एआई समिट के दौरान किया था प्रदर्शन

लखनऊ, एजेंसी। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ सिंह को पुलिस ने हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार किया था। बाद में उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें तिहाड़ जेल भेज दिया गया। जेल से रिहा होने के बाद वह पहली बार अमेठी पहुंचे। जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं व नेताओं ने उनका स्वागत किया। दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में विरोध प्रदर्शन के मामले में गिरफ्तार

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ सिंह जेल से छूटने के बाद अपने गृह नगर अमेठी पहुंचे। गौरीगंज रेलवे स्टेशन पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान समर्थकों ने फूलमाला पहनाकर उनका अभिवादन किया। सौरभ सिंह ने कहा कि यह किसानों और युवाओं से जुड़ा मुद्दा है और इस संघर्ष को आगे भी जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दौरान कांग्रेस के साथ अमेठी के लोगों का भी सहयोग मिला, जिससे हौसला बढ़ा। कुछ दिन पहले दिल्ली के भारत मंडपम में एआई समिट का कार्यक्रम हुआ था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद थे। इसी दौरान कांग्रेस से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए कई लोगों की गिरफ्तारी शुरू की। मुंशीगंज के सेवई हेमगढ़ गांव निवासी सौरभ सिंह को पुलिस ने हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार किया था। बाद में उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें तिहाड़ जेल भेज दिया गया। जेल से रिहा होने के बाद वह पहली बार अमेठी पहुंचे। गौरीगंज रेलवे स्टेशन पर पहले से मौजूद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष शुभम सिंह के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता स्टेशन पहुंचे थे। इस मौके पर युवा कांग्रेस अमेठी विधानसभा अध्यक्ष लोहा सिंह, गौरीगंज विधानसभा अध्यक्ष विकास और एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सुमित सिंह समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। सौरभ सिंह ने स्वागत के लिए सभी का आभार जताया और कहा कि किसानों और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर आवाज उठाने का क्रम आगे भी जारी रहेगा।

आगरा-ग्वालियर हाईवे पर दर्दनाक हादसा, कार ने बाइक सवारों को कुचला, दो युवकों की मौत; तीसरे की हालत गंभीर

आगरा , एजेंसी। आगरा-ग्वालियर हाईवे पर तेज रफ्तार कार ने बाइक सवारों को कुचल दिया। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरे को गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। धौलपुर में हलवाई के यहां होली खेलने जा रहे तीन बाइक सवारों को सामने से आ रही कार ने मनिया के हनोता चौकी के पास टक्कर मार दी। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए धौलपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालात चिंताजनक होने पर उसे आगरा के लिए रैफर कर दिया गया है। घटनाक्रमानुसार थाना डौकी क्षेत्र के गांव बाजिदपुर निवासी ऋषभ पुत्र गोधन सिंह 24 वर्ष, दुर्गेश पुत्र छोटे लाल 18 वर्ष और वीरेन्द्र पुत्र गीताराम 15 वर्ष निवासीगण अमरूपुरा थाना सैंया हलवाई का काम करते हैं। उनका एक साथी धौलपुर में रहता है। बुधवार की दोपहर को ऋषभ गांव अमरूपुरा अपने साथियों से मिलने आया था, तभी तीनों युवकों ने अपने साथी के घर धौलपुर में होली खेलने जाने की योजना बनाई। तीनों दोस्त एक बाइक पर बैठ कर धौलपुर जा रहे थे। धौलपुर की ओर से आ रही कार ने मनिया के हनौता चौकी के पास बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में ऋषभ और दुर्गेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वीरेंद्र गम्भीर रूप से घायल हो गया। मनियां पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं घायल को उपचार के लिए धौलपुर जिला अस्पताल भेजा था, जिसे गम्भीर अवस्था में होने के कारण आगरा रैफर कर दिया गया है। कार में सवार लोग घटना के बाद मौके पर गाड़ी छोड़ कर भाग गए। कार को थाना मनिया पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। मृतक ऋषभ और दुर्गेश अविवाहित थे। वे हलवाई का काम करते थे। युवकों की मौत की खबर आते ही परिवार मे कोहराम मच गया। होली की खुशी मातम बदल गई।

सिपाही पर भी लग चुके हैं आरोप

युवक ने पहले आरोप लगाया कि पुलिस ने उसकी गले में पड़ी चांदी की चेन खीच ली है। उसका यह आरोप भी निराधार है, चेन कहीं गिर भी सकती है। हर बिंदु पर जांच की जा रही है। बता दें कि जिस सिपाही पर युवक आरोप लगा रहा है। पुलिस उसे बचाने का प्रयास कर रही है। वह चर्चा में ही रहता है, सिपाही पर उगाही, मारपीट और गाली-गलौज के आरोप पहले भी लग चुके हैं।

होली के बाद मौसम में बदलाव के संकेत

अधिकतम तापमान तीन डिग्री तक बढ़ेगा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में होली के बाद अब गर्मी अपना रंग दिखाना शुरू करेगी। मौसम विज्ञानियों के अनुसार तापमान में तीन डिग्री सेल्शियस तक बढ़ोतरी के संकेत हैं। तेज धूप होने से गर्मी बढ़ेगी। बुधवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में दिन भर तेज धूप रही। रूखी पछुआ हवाओं ने गर्मी का अहसास और बढ़ा दिया। मौसम विभाग के अनुसार, इन हवाओं की रफ्तार 30 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई। इससे वातावरण में शुष्कता बनी रही। इसी तरह मंगलवार को तापमान में भी लगातार बढ़ोतरी देखी गई। झांसी प्रदेश में सबसे गर्म जिला रहा। यहां अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। फतेहपुर, वाराणसी और आगरा में भी पारा 33 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में दोपहर के समय धूप तीखी रही। इससे लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, पछुआ हवाओं की रफ्तार में कमी आएगी। हालांकि अगले तीन से चार दिनों में अधिकतम तापमान में लगभग 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी के संकेत हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में गर्मी और तेज होने की संभावना है।

नंगे बदन पर पड़ेंगे कोड़े, समाज गायन पर झूमेंगे भक्त; दाऊजी का हुरंगा देखने उमड़ा जनसैलाब

मथुरा, एजेंसी। मथुरा के बलदेव स्थित विश्व प्रसिद्ध श्रीदाऊजी महाराज के हुरंगा में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। समाज गायन के बाद मंदिर से आदेश मिलते ही पारंपरिक हुरंगा शुरू होगा। मथुरा के बलदेव में विश्व प्रसिद्ध श्रीदाऊजी महाराज के हुरंगा में आस्था का श्रद्धा का जनसैलाब चारों ओर भीड़ ही भीड़ नजर आ रही हैं। हुरंगा शुरू होने में थोड़ी देर है, समाज गायन के पश्चात दाऊजी बाबा के आदेशानुसार तत्काल हुरंगा शुरू होगा। इसके बाद सभी श्रद्धालु भक्त हुरंगा का आनंद लेंगे। हुरंगा का आनंद लेने के लिए देश-विदेशी से श्रद्धालु हजारों की संख्या में चारों ओर देखने को मिल रहे हैं। हुरियारिनें सज धज कर तैयार होकर परंपरागत लहंगा फरिया आभूषण पहनकर आ रही हैं। हुरियारे भी सज धज कृष्ण बलराम स्वरूप में आए हुए हैं। श्रीदाऊजी महाराज का आदेश शुरू होते ही हुरंगा प्रारंभ हो जाएगा। हुरंगा में बैंड बाजे, नफीरी विभिन्न वाद्य यंत्रों की गान सुनाई दे रही है। होरी नायैं जि दाऊजी को हुरंगा है, होरी कौ मजा चखाय दूंगी, हुरंगा में आ जाइयौ आदि लोकगीत व होली रसिया चारों ओर गूंज रहे हैं। पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी चारों ओर नजर आ रही है। पुलिस अधिकारी लगातार मौका मुआयना व निरीक्षण कर व्यवस्था बनाने में जुटे हुए हैं।

सीएम ग्रिड से बनी सड़कों का निर्माण पूरा नहीं हुआ

तोड़ने की तैयारी, सीवर लाइन बिछेगी

अलीगढ़, एजेंसी। चौकाने वाली बात यह है कि सीएम ग्रिड से बनने वाली सड़कों का निर्माण मार्च में पूरा होगा और अप्रैल माह में सीवर लाइन बिछाने का कार्य शुरू होना है। अधिकारी तर्क दे रहे हैं कि सड़क निर्माण से पहले सीवर लाइन बिछाई जानी थी, लेकिन इसके लिए शासन से बजट नहीं मिला।

अलीगढ़ शहर में बन रहीं सीएम ग्रिड योजना से बन रहीं सड़कों का निर्माण पूरा नहीं हुआ है, लेकिन सीवर लाइन बिछाने के लिए उन्हें तोड़ने की तैयारी है।

जल निगम और नगर निगम के अधिकारियों के बीच समन्वय होता तो सरकारी धन की इस बर्बादी को रोका जा सकता था। पार्षदों का कहना है कि यह कार्य पहले भी किया जा सकता था।

चौकाने वाली बात यह है कि सीएम ग्रिड से बनने वाली सड़कों का निर्माण मार्च में पूरा होगा और अप्रैल माह में सीवर लाइन बिछाने का कार्य शुरू होना है। अधिकारी तर्क दे रहे हैं कि सड़क निर्माण से पहले सीवर लाइन बिछाई जानी थी, लेकिन इसके लिए शासन से बजट नहीं मिला। सीवरेज योजना के तहत जल निगम सिविल लाइन क्षेत्र के 16 वार्डों में सीवर लाइन के पाइप बिछाने का कार्य शुरू करेगा।

हालांकि जल निगम का दावा है कि सीएम ग्रिड की सड़कों पर पेंच लेस पाइप लाइन बिछाई जाएगी, इसके लिए हर 40 मीटर की दूरी पर मैनहोल बनाएं जाएंगे। सड़क काट दूसरे मैनहोल तक फिर पेंचलेस करेंगे। दावा किया जा रहा है कि इसमें टूट-फूट कम होगी।

इनका कहना

पहले चरण सिविल लाइन क्षेत्र में सीवरेज पाइप लाइन बिछाई की मंजूरी मिली है। शासन को 658 करोड़ रुपये का डीपीआर भेजा गया है। धन जारी होते ही अप्रैल माह से कार्य शुरू होगा। सीएम ग्रिड सड़कों पर पेंच लेस पाइप लाइन बिछाई जाएगी। जरूरत के हिसाब से 40 मीटर पर मैनहोल बनाएं जाएंगे। इसके लिए सड़क को काटा जाएगा।

-सुनील कुमार, एक्सईएन, जल निगम

सीएम ग्रिड योजना के तहत बनाई जा रही सड़कों को किसी भी सूरत में सीवर पाइपलाइन बिछाने के दौरान तोड़ने नहीं दिया जाएगा। फुटपाथ से कार्यदायी संस्था सीवर का पाइप लाइन लेकर जा सकती है।

-प्रेम प्रकाश मीणा
नगर आयुक्त अलीगढ़

अधिकारियों की मनमानी और प्लानिंग के अभाव के कारण जनता के धन की लूट खसोट हो रही है। दो साल से बन रही सीएम ग्रिड योजना की सड़क अब बन कर तैयार होने वाली है। उससे पहले उसे तोड़ कर सीवरेज पाइप लाइन बिछाने की योजना बनाई जा रही है।

-आगा युनूस, कांग्रेस नेता

नगर निगम में जनता के पैसे की खुली लूट हो रही है। धन को ठिकाने लगाने के लिए अधिकारी मनमानी पूर्वक कार्य कर रहे है। सड़क बनने के बाद सीवरेज पाइप लाइन बिछाने के लिए फिर से तोड़फोड़ होगी। यह पैसे की बर्बादी है।

-कुलदीप पांडेय
, पार्षद

क्वार्सी के पास निर्माणधीन सड़क से गुजरते वाहननिगम अधिकारी बोले- नहीं तोड़ने देंगे सड़क

सीवरेज योजना के तहत दोदपुर रोड और रामघाट रोड पर सीवर लाइन बिछाने के लिए तोड़फोड़ किए जाने की तलवार लटक रही है। इनके अलावा भी पहले चरण में कई और उन सड़कों के नीचे पाइप लाइन बिछाई जाएगी, जिनका निर्माण चल रहा है या पूरा हो गया है। नगर निगम के अधिशासी अभियंता बिजेंद्र पाल सिंह का कहना है कि सीएम ग्रिड के तहत सड़कों का निर्माण होने से पहले से सीवर लाइन बिछाने का प्रस्ताव भेजा गया था, लेकिन शासन से मंजूरी नहीं मिली। अब जल निगम को सड़कों से छेड़छाड़ नहीं करने दी जाएगी।

250 करोड़ से बनी रहीं नौ सड़कें

महानगर में सीएम ग्रिड योजना से नौ सड़कों के निर्माण पर ही करीब 250 करोड रुपये खर्च हो रहे हैं। इनमें रामघाट रोड पर क्वार्सी थाने से लेकर मीनाक्षी पुल तक, आईटीआई रोड, खैर रोड, रेलवे रोड, मैरिस रोड, स्वर्ण जयंती रोड से रमेश बिहार 100 फुटा रोड, स्वर्ण जयंती रोड, रघुवीर पुरी रोड, दोदपुर रोड और छर्रा अड्डा पुल से एटा चुंगी होते हुए बौनेर तक सड़कें बनाई जा रही हैं। इसके अलावा इन सड़कों पर पार्किंग, फुटपाथ, पथ प्रकाश व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

जीटी रोड पर अधौन में बनेगा 48 एमएलडी का एसटीपी प्लांट

अलीगढ़। जीटी रोड पर अधौन में नमामि गंगे योजना के तहत 48 एमएलडी क्षमता का एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) बनाया जाएगा। यह परियोजना गंगा नदी के प्रदूषण को कम करने और क्षेत्रीय सीवेज प्रबंधन को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है। यहीं पर जल निगम एक मुख्य पंपिंग स्टेशन भी स्थापित करेगा। जिससे सभी आईपीएस (इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशनों) को जोड़ा जाएगा। इससे सीवेज का संग्रहण, परिवहन और उपचार अधिक कुशल होगा।

काशी की होली:

रंग, रस और राग का उल्लास, बाबा के धाम में पलाश के बने रंगों से होली; धाम में बाबा को सुनाया भजन

वाराणसी, एजेंसी। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में टेसू यानी पलाश के फूलों के बने रंगों से होली खेली गई। सुबह से रात होलियारों और युवाओं की टोलियां रंगों के बीच मस्ती करती नजर आई। फागुन की मस्ती में सराबोर होकर काशी बुधवार को अपने अंदाज में होली गई। रंगभरी एकादशी से रंगोत्सव का छाया उल्लास आज दूना हो गया था। घरों से लेकर मंदिरों तक अबीर-गुलाल उड़े। बुधवार को श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में रंग, रस और राग का उल्लास छाया रहा।

श्रद्धालु बाबा के साथ होली खेले और उन्हें भजन और होली गीत सुनाई। बुधवार को होली पर देवाधिदेव की नगरी अपने अंदाज में रहा। अस्सी घाट पर ढोल मजीरा के साथ होली की मस्ती की। सुबह ही लोग मैदागिन से ढोल मजीरा बजाते हुए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे और अबीर-गुलाल खेलने के साथ बाबा को भजन और होली गीत सुनाई।

गोदौलिया पर कपड़ा फाड़ होली का रंग दिखेगा दिया तो आईपी विजया पर युवा थिरकते मिले। चेतगंज, नमो घाट, अस्सी चौराहा, शिवाला, सोनारपुरा, जंगमबाड़ी, गोदौलिया, लक्सा, काली महाल, चेतगंज, लोहटिया, मैदागिन, विश्ववेश्वरगंज, मछोदरी, लंका चौराहा, सुंदरपुर, करौंदी आदि इलाकों में भी होली का उल्लास दिखा।

दरोगा का सिर फोड़ा, सिपाही के हाथ तोड़े...पटक कर पीटा, दोनों ट्रामा सेंटर में भर्ती; शिकायत पर आई थी पुलिस

चंदौली, एजेंसी। चंदौली में हुड़दंग की शिकायत पर पुलिस परशुरामपुर पहुंची थी। यहां पटाखा जलाने से रोकने पर मनबढ़ युवकों ने पीटकर दरोगा का सिर फोड़ दिया। वहीं, सिपाही का हाथ तोड़ा दिया। सूचना पाकर टीम भी पहुंच गई और घायलों को ट्रामा सेंटर में एडमिट कराया। अलीपुर थाना क्षेत्र के परशुरामपुर में पटाखा जलाने और हुड़दंग करने से रोकने पर 8 से 10 की संख्या में मनबढ़ युवकों ने दरोगा और सिपाही दोनों की बेरहमी से पिटाई की। इसमें दरोगा का सिर फट गया और वह गंभीर हालत में वाराणसी के ट्रामा सेंटर में भर्ती हैं। वहीं, सिपाही का हाथ टूट गया है। अलीपुर थाना क्षेत्र के परशुरामपुर शराब ठेके के पास मंगलवार की रात 10 बजे के करीब 8 से 10 की संख्या में युवक पटाखा फोड़ रहे थे और हुड़दंग कर रहे थे। इस पर शराब ठेके के लोगों ने अलीनगर पुलिस को सूचना दी मौके पर अलीपुर थाना के हलका इंचार्ज एसआई दिनेश सिंह और कांस्टेबल अनिल यादव मौके पर पहुंचे और युवकों को मना किया।

अस्पताल में चल रहा इलाज- यह युवकों को हटाकर लौट ही रहे थे कि पीछे से 8 से 10 की संख्या में युवकों ने हमला कर दिया और लाठी डंडे से दोनों की बेरहमी से पिटाई कर दी। जिसमें दरोगा दिनेश सिंह का सिर फट गया है और उनकी हालत गंभीर है उन्हें वाराणसी के ट्रामा सेंटर में भर्ती किया गया है वहीं कांस्टेबल अनिल यादव का हाथ टूट गया है और उनका भी इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है।

हैप्पी होली' बोलने पर युवक की हत्या

नाराज परिजनों ने दुबग्गा थाना घेरा; कई थानों की फोर्स पहुंची

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के दुबग्गा क्षेत्र में होली मिलन समारोह के दौरान पुरानी रंजिश में युवक सूरज रावत की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद परिजनों ने थाने का घेराव कर हंगामा किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। लखनऊ में दुबग्गा के बेगरिया कॉलोनी में रंजिश में बुधवार शाम साढ़े पांच बजे होली मिलन समारोह के दौरान पड़ोसी को हैप्पी होली बुलाने से नाराज पेंटर कारीगर सूरज रावत (21) की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। नाराज परिजनों ने थाने पर पहुंच कर तीन घंटे जमकर बवाल काटा। मौके पर नाका, काकोरी और पारा समेत कई थानों की पुलिस परिजनों को समझाने बुझाने में जुटी रही।

पेट में चार बार चाकू से हमला कर दिया- इंस्पेक्टर श्रीकांत राय के अनुसार, सूरज रावत मकान के सामने रहने वाले मोहित तिवारी से मामूली कहासुनी होने के बाद नाराज बहन शिवानी तिवारी ने सूरज के पेट में चार बार चाकू से हमला कर दिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। गुस्साए परिजन और स्थानीय लोगों ने दुबग्गा थाने का घेराव कर नारेबाजी की। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

काफी समझाने-बुझाने के बाद माने- काफी समझाने-बुझाने के बाद लोगों को शांत कराया जा सका। पुलिस ने मामले में हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सूरज रावत एक मेहनती युवक था और परिवार की जिम्मेदारी उसके कंधों पर थी।

परिवार में उसके पिता राजेंद्र, छोटा भाई शिवा हैं, जबकि उसकी मां का कुछ वर्ष पहले ही निधन हो चुका है। बेटे की मौत से घर में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और इलाके में एहतियातन पुलिस निगरानी बाधा दी गयी है।

होली ऑफर के चक्कर में तीन जोन में 25 लोगों ने गंवाई रकम

बैंक खाते खाली हो गए; दी गई तहरीर

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में त्योहार के बीच लोग ठगी का शिकार हो गए। होली ऑफर के लालच के चक्कर में बैंक खाते खाली करवा लिए। पुलिस ने तहरीर लेकर मामला दर्ज कर लिया है।

साइबर ठगों ने तीन जोन में 25 लोगों को शिकार बनाया। होली पर ऑनलाइन खरीदारी के दौरान स्पेशल ऑफर के चक्कर में किसी ने 10 हजार तो किसी ने 25 हजार रुपये गंवा दिए। लिंक पर क्लिक कर और सस्ते ऑफर जैसे टास्क पूरा करने में बैंक खाते खाली हो गए।

एक हफ्ते में काशी, वरुणा और गोमती जोन के थानों के साइबर हेल्पडेस्क पर ऐसी शिकायतें पहुंची हैं। सबसे अधिक काशी और वरुणा जोन के थानों में शिकायतें आईं। शिवपुर के राहुल द्विवेदी ने रविवार को ऑनलाइन जूता लेना चाहा। इस बीच, ब्रांडेड कंपनी के जूते की खरीदारी से संबंधित एक ओटीपी आया और वह शेयर करते ही खाते से 24954 रुपये कट गए। किसी बंगलूरू के बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर हुए हैं। पीड़ित ने तुरंत ऑनलाइन पोर्टल और शिवपुर थाने के साइबर हेल्प डेस्क पर तहरीर दी है।

लंका के रहने वाले और एलआईसी के एजेंट गणेश पांडेय के मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आया। धमकी दी कि बेटे ने गलत वीडियो देखा है। इस बीच धमकाकर तीन बार में खाते से 11 हजार रुपये कट गए। तुरंत 1930 पर उन्होंने शिकायत दर्ज कराई। लंका थाने के साइबर हेल्प डेस्क में भी मंगलवार को शिकायत दर्ज कराई। साइबर सेल मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा की लिस्ट जारी- महाराष्ट्र से विनोद तावड़े-रामदास अठावले उम्मीदवार

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा चुनाव के लिए बुधवार को भाजपा ने 4 प्रत्याशियों के नाम

वाली दूसरी लिस्ट जारी की है। इसमें केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े और माया चिंतामन इवनाते और रामराव वडकुते का नाम शामिल है। एक दिन पहले भाजपा ने राज्यसभा के लिए पार्टी उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। इसमें 6 राज्यों से 9 नाम शामिल थे। अब 7 राज्यों से कुल 13 प्रत्याशियों के नाम का एलान हो चुका है। भाजपा द्वारा बुधवार को जारी लिस्ट के मुताबिक रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले राज्यसभा में एक और कार्यकाल के लिए तैयार हैं। जबकि भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े पहली बार राज्यसभा में जाएंगे।। रामराव वडकुटे और माया चिंतामण ईवनाटे के नाम भी उम्मीदवारों की लिस्ट में हैं। बता दें कि दस राज्यों की 37 राज्यसभा सीट के लिए द्विवार्षिक चुनाव 16 मार्च को आयोजित किए जाने हैं। मतों की गिनती उसी दिन की जाएगी। ये सीट अप्रैल में अलग-अलग तारीखों पर खाली हो रहे हैं। वैसे राज्य जहां से राज्यसभा सीट खाली हो रही हैं, वे हैं, महाराष्ट्र (सात सीट), तमिलनाडु (छह), पश्चिम बंगाल और बिहार (पांच-पांच), ओडिशा (चार), असम (तीन), हरियाणा, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ (दो-दो) तथा हिमाचल प्रदेश (एक)। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख पांच मार्च है।

दिल्ली के रिठाला में भीषण आग, 50 से ज्यादा झुग्गियां जलकर खाक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के रिठाला इलाके में गुरुवार तड़के झुग्गियों में भीषण आग लग गई। आगजनी की इस घटना में 50 से अधिक झोपड़ियां जलकर खाक हो गईं। इस घटना में अभी तक किसी के घायल होने या किसी की मौत की खबर नहीं है। सूत्रों के अनुसार, आग लगने के बाद से एक लड़की लापता बताई जा रही है। सूचना मिलते ही दिल्ली फायर ब्रिगेड सर्विस ने आग बुझाने का अभियान शुरू किया। घनी आबादी वाली झुग्गियों में तेजी से फैल रही आग की लपटों पर काबू पाने के लिए लगभग 16 दमकल गाड़ियां तैनात की गईं। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में अभी तक किसी के घायल होने या किसी की मौत की खबर नहीं है। सूत्रों के अनुसार, आग लगने के बाद से एक लड़की लापता बताई जा रही है। तलाशी अभियान जारी है। आग लगने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। डीएफएस के अनुसार, आग लगने की सूचना सुबह लगभग 4:15 बजे मिली। एक दमकल अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही टीमें मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। आग ने इलाके की कई झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इलाके में 50 से अधिक झुग्गियां थीं, जिनमें से कई आग में जलकर राख हो गईं। दमकलकर्मियों और स्थानीय पुलिस कर्मियों ने बचाव अभियान चलाया और सुबह 6:30 बजे तक आग पर काबू पा लिया। दिल्ली फायर ब्रिगेड के एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में एक इमारत की चौथी मंजिल पर आग लगने के बाद दो जले हुए शव बरामद किए गए। बुधवार शाम 4:38 बजे आग लगने की सूचना मिली। इमारत की चौथी मंजिल पर स्थित खिलौनों के गोदाम में आग लगी थी। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही 25 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। इमारत में एक बेसमेंट और 4 ऊपरी मंजिलें हैं। अधिकारी ने बताया कि चौथी मंजिल पर एक अस्थायी ढांचा बनाया गया था, जहां खिलौनों का गोदाम चल रहा था। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए कई घंटों तक मशक्कत की। अधिकारी ने बताया कि गुरुवार तड़के करीब 3:20 बजे बुझाई गई, जिसके बाद गोदाम से दो जले हुए शव बरामद किए गए।

बनारस के घाटों से लेकर लद्दाख की वादियों तक चली पिचकारी

देशवासियों ने धूमधाम से मनाया रंगोत्सव

नई दिल्ली, एजेंसी। फाल्गुन पूर्णिमा पर रंगों का पर्व होली पूरे देश में हर्ष, उल्लास और आपसी सद्भाव के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिरों में पूजा-अर्चना, गलियों में गुलाल और चौपालों पर गीत-संगीत की धूम रही। शहरों से लेकर गांवों तक लोग रंगों में सराबोर दिखे। कई स्थानों पर प्रशासन ने शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए, ताकि त्योहार सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके। राष्ट्रीय राजधानी में श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन कर होली की शुरुआत की। दिल्ली में युवाओं से लेकर बड़े-बुजुर्गों तक होली का गजब उत्साह दिखा। पश्चिम विहार समेत विभिन्न इलाकों में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए। पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा ने मौके पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और ड्यूटी पर तैनात कर्मियों का उत्साह बढ़ाया। इस बार होली पर दिल्ली में शराब की दुकानें खुली रहीं। महिपालपुर सहित कई स्थानों पर दुकानों के बाहर भीड़ देखी गई। कुछ स्थानीय लोगों ने पुराने समय का हवाला देते हुए कहा कि पहले होली पर दुकानें बंद रहती थीं, जबकि इस बार व्यवस्था अलग रही। धर्मिक नगरी के घाटों पर देश-विदेश से आए लोगों ने रंगों के बीच नृत्य और संगीत का आनंद लिया। सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरा क्षेत्र उत्सव में डूबा रहा। वहीं में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में

युवाओं ने उत्साह के साथ रंग खेला। होली पर देश के अलग-अलग हिस्सों में लोग अपने अलग अंदाज में रंगोत्सव मनाते दिखे। गुजरात के में लोगों ने एक-दूसरे पर सब्जियां फेंककर विशेष अंदाज में होली मनाई। तो वहीं राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय होली उत्सव के दौरान हजारों देशी-विदेशी पर्यटक रंगों में झूमते दिखे। विदेशी मेहमानों ने यहां के उत्सव को यादगार और सुरक्षित बताया। श्रद्धालुओं ने नृत्य, संगीत और गुलाल के साथ होली मनाई। वहीं मध्य प्रदेश के देवास में माली समाज ने भव्य शोभायात्रा निकाली, जबकि केंद्रीय कारागार में अधिकारियों ने बंदियों के साथ रंग खेलकर सौहार्द का संदेश दिया। देश के अलग-अलग राज्यों में लोगों के जश्न के बीच सीमाओं पर भी होली की धूम दिखी। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के चंदरकोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 84वीं बटालियन ने जवानों और उनके परिवारों के साथ उत्साहपूर्वक होली मनाई। वहीं लद्दाख के पैंगोंग झील क्षेत्र में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों ने स्थानीय लोगों के साथ रंगों का त्योहार मनाकर एकता और उमंग का संदेश दिया।

पटना में जनशक्ति जनता दल के प्रमुख ने कार्यकर्ताओं के साथ होली मनाई और भाईचारे का आह्वान किया। उन्होंने देश और दुनिया में शांति की कामना करते हुए कहा कि होली के बाद उनकी पार्टी बिहार यात्रा शुरू करेगी। इस बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ रंग खेला। तो वहीं हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने शिमला स्थित अपने आवास पर होली मनाई। रंगों का यह पर्व एक बार फिर देश की विविधता और एकता का प्रतीक बना। परंपरा, उत्साह और सुरक्षा के संतुलन के साथ होली 2026 ने आपसी प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया।

पार्टी को एक राज्यसभा सीट भी आवंटित की गई है

तमिलनाडु चुनाव से पहले फैसला, कांग्रेस और डीएमके में सीट बंटवारे पर मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए डीएमके ने कमर कस ली है। द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (षश्व) ने तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को सीट बंटवारे को अंतिम रूप देते हुए कांग्रेस को 28 सीट आवंटित की। इसके अलावा पार्टी को एक राज्यसभा सीट भी आवंटित की गई है। बताया जा रहा है कि तमिलनाडु में सत्ता के बंटवारे और सीटों की संख्या को लेकर पैदा हुए लंबे गतिरोध को देखते हुए वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम के हस्तक्षेप के बाद सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और कांग्रेस ने बुधवार रात राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे के समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए।

एक राज्यसभा सीट आवंटित की गई है। समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस समिति (टीएनसीसी) के अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थागाई ने संवाददाताओं को यह जानकारी दी। ऐसा भी माना जा रहा है कि डीएमके ने 2028 में एक राज्यसभा सीट देने का वादा किया है, हालांकि दोनों दलों द्वारा इसकी आधिकारिक पुष्टि या घोषणा नहीं की गई है। राज्य विधानसभा से राज्यसभा चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन की पूर्व संध्या पर पिछले दो दिनों में हुई गहन चर्चा के बाद इस समझौते को अंतिम रूप दिया गया। डीएमके अध्यक्ष एम के स्टालिन और सेल्वापेरुन्थागाई के बीच हस्ताक्षरित समझौते के तहत कांग्रेस को 28 विधानसभा सीटें और एक राज्यसभा सीट मिली है। कांग्रेस किन निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ेगी, इसकी पहचान अगले दौर की बातचीत में की जाएगी। दोनो दल राज्यसभा उम्मीदवारों का नामांकन गुरूवार को दाखिल करेंगे। सेल्वापेरुन्थागाई ने कहा

कि कांग्रेस जल्द ही राज्यसभा उम्मीदवार की घोषणा करेगी और पार्टी इस समझौते से पूरी तरह संतुष्ट एवं खुश है। कांग्रेस द्वारा 39 विधानसभा और दो राज्यसभा सीटों की मांग पर अड़े रहने के कारण संबंधों में तनाव आ गया था। हालांकि, अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के अनुरोध पर पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने हस्तक्षेप किया और मंगलवार को स्टालिन के साथ बातचीत की, जिसका मुख्य केंद्र बिंदु भारतीय जनता पार्टी (ङ्घछ्वक्क) को हराना था। इसके बाद डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अंततः 28 सीटें और एक राज्यसभा सीट देने पर सहमति व्यक्त की। डीएमके ने मंगलवार रात अपने नए सहयोगी, दिवंगत अभिनेता-राजनेता विजयकांत की पार्टी देशिया मुरपोक्कु द्रविड़ कषगम (डीएमडीके) को एक राज्यसभा सीट आवंटित की थी।

सुप्रीम कोर्ट की जज बोलीं- सत्ता में बैठे लोगों की चिंता न करें, सही फैसले लें

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट जज बीवी नागरत्ना ने न्यायाधीशों को अपने फैसले पर अड़े रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि किसी भी दबाव में सही फैसला लेने से संकोच नहीं करना चाहिए। वह केरल उच्च न्यायालय में आयोजित दूसरे टीएस कृष्णमूर्ति अय्यर मेमोरियल लेक्चर में बोल रहीं थीं। इससे पहले उन्होंने मीडिया को लेकर भी ऐसी ही बात कही थी। उन्होंने कहा था कि किसी भी तरह की बाधा, भय या प्रभाव में मीडिया अपनी भूमिका नहीं निभा सकता है। मंगलवार को जस्टिस नागरत्ना ने कहा, 'जजों को सही फैसला लेने से संकोच नहीं करना चाहिए। फिर चाहे इसकी वजह से उनकी उन्नति ही क्यों न रुक जाए या सत्ता में बैठे लोग नाराज हो जाएं।' उन्होंने कहा, 'एक जज को राजनीतिक दबाव, संस्थागत धमकी या पॉपुलर डिमांड से मुक्त ही रहना चाहिए।' शुक्रवार को जस्टिस नागरत्ना आईपीआई इंडिया अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन जर्नलिज्म 2025 के सम्मान समारोह में पहुंचीं थीं। उन्होंने कहा था कि प्रेस पर कब्जा करने के हालिया प्रयासों के पीछे न केवल आर्थिक आधार हैं बल्कि राजनीतिक पहलू भी शामिल हैं। खास बात है कि जस्टिस नागरत्ना सितंबर 2027 में भारत की पहली महिला प्रधान न्यायाधीश बनेंगी। जब वह किसी भी तरह के डर या दबाव से मुक्त हो। उन्होंने कहा कि आज के दौर में प्रेस की आादी को सबसे बड़ा खतरा सीधे तौर पर लगने वाली पाबंदियों (सेंसरशिप) से नहीं है। बल्कि, असली खतरा आर्थिक नीतियों, लाइसेंस देने के कड़े नियमों और मीडिया कंपनियों के मालिकाना हक से जुड़ा है।

तमिलनाडु की 500 साल पुरानी कांस्य प्रतिमा की घर वापसी, ऑक्सफोर्ड के संग्रहालय ने पूरी की प्रक्रिया

16वीं शताब्दी की कांस्य प्रतिमा भारत को वापस लौटाने की तैयारी में है

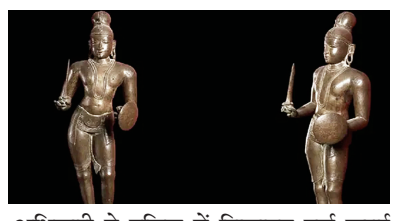

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के एशमोलियन संग्रहालय तमिलनाडु के एक प्राचीन मंदिर से चुराई गई 16वीं शताब्दी की कांस्य प्रतिमा भारत को वापस लौटाने की तैयारी में है। यह प्रतिमा दक्षिण भारतीय हिंदू संत तिरुमंगाई अलवार (थिरुमंगाई अलवार) की है, जो तमिलनाडु के थाडिकोम्बु गांव स्थित श्री सौंदरराज पेरुमल मंदिर की मूल पूजनीय वस्तु थी। प्रतिमा की ऊंचाई 57.5 सेंटीमीटर है और यह ठोस कांस्य से बनी हुई है। एशमोलियन संग्रहालय ने 1967 में सोथबीज़ नीलामी घर से डॉ. जे.आर. बेलमोंट (1886-1981) के निजी संग्रह से यह प्रतिमा खरीदी थी। उस समय इसकी उत्पत्ति के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं थी। हालांकि, नवंबर 2019 में एक स्वतंत्र फ्रांसीसी शोधकर्ता ने संग्रहालय को सूचित किया कि 1957 में ली गई एक तस्वीर में यही प्रतिमा थाडिकोम्बु के सौंदरराज पेरुमल मंदिर में मौजूद थी। इस खुलासे के बाद संग्रहालय ने इसकी जांच शुरू की। 11 फरवरी 2020 को मंदिर के एक कार्यकारी

अधिकारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि मूल प्रतिमा की जगह एक आधुनिक प्रतिकृति स्थापित कर दी गई है। इसके बाद भारतीय उच्चायोग ने 3 मार्च 2020 को औपचारिक दावा पेश किया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अनुरोध पर संग्रहालय ने कांस्य की धातु का वैज्ञानिक विश्लेषण कराया और उत्पत्ति की पुष्टि की। मार्च 2024 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की परिषद ने वापसी के दावे का समर्थन किया और चारिटी कमीशन की मंजूरी के बाद प्रतिमा को भारत को सौंप दिया गया। लंदन में भारतीय उच्चायोग (इंडिया हाउस) में एक औपचारिक समारोह में प्रतिमा का हस्तांतरण किया गया, जिसमें एशमोलियन संग्रहालय की निदेशक डॉ. ज़ा स्टर्गिस और पूर्वी कला विभाग की प्रमुख प्रोफेसर मलिका कुम्बेरा लैंड्रस मौजूद थीं। डॉ. ज़ा स्टर्गिस ने कहा, ÷इस महत्वपूर्ण वस्तु को भारत में वापस लाकर एशमोलियन संग्रहालय बेहद प्रसन्न है। हम भारतीय अधिकारियों, विद्वानों और शोधकर्ताओं के आभारी हैं जिन्होंने इसकी उत्पत्ति का पता लगाने में मदद की। संग्रहालय और विश्वविद्यालय नैतिक संग्रह प्रथाओं, वस्तुओं की उत्पत्ति और इतिहास पर निरंतर शोध के लिए प्रतिबद्ध हैं।÷ यह वापसी भारतीय विरासत की वस्तुओं को उनके मूल स्थान पर लौटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। तमिलनाडु पुलिस के आइडल विंग और एएसआई ने इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पश्चिम एशिया संकट- हिंद महासागर में अमेरिका ने डुबोया ईरानी युद्धपोत, बढ़ता टकराव भारत के लिए चिंताजनक कैसे?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष ने खाड़ी देशों के साथ दुनियाभर की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में अब इसका असर भारत पर कैसे पड़ने वाला है? यह सवाल आज इसलिए उठ रहा है, क्योंकि अमेरिकी पनडुब्बी ने हिंद महासागर में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को टॉरपीडो से ध्वस्त कर दिया। ईरान के इस युद्धपोत का तार भारत के साथ कैसे जुड़ा है और यह घटना भारत के सामरिक और समुद्री हितों को खतरे में कैसे डाल सकती है? आइए यहां समझते हैं। दुनिया की राजनीति अब अत्यधिक खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। इसका कारण है कि अमेरिका और इस्राइल का ईरान पर किए गए हमले और फिर ईरान की ओर से जवाबी कार्रवाई ने खाड़ी देशों के साथ-साथ दुनियाभर की राजनीति में चिंता पैदा कर दी है। इस आधार पर यह कहना गलत नहीं होगा कि इस युद्ध की आग से

उठे लपटें ने सिर्फ पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया और अब भारतीय महासागर के पानी में भी उबाल आ गया है। तनाव इतना बढ़ चुका है कि एक अंतरराष्ट्रीय शक्ति ने टॉरपीडो तक चलाकर अपनी ताकत दिखा दी, जिससे भारत में चर्चा तेज हो गई है। आइए जानते हैं कि पश्चिम एशिया का युद्ध अब भारत के दरवाजे तक पहुंच गया? पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिकी पनडुब्बी ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय जल में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को टॉरपीडो से निशाना बनाया और ध्वस्त कर दिया। इस हमले से जहाज का मुख्य ढांचा टूट गया, जिससे बचाव दल को कोई जहाज नहीं मिला। गौर करने वाली बात यह है कि यह अमेरिका की द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली टॉरपीडो से युद्धपोत पर किया गया हमला है। भारत में आंध्र प्रदेश के विशाखपटनम के विजाग से लौट रही थी, जहां उसने मिलान अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास और बंगाल की खाड़ी में अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक रिव्यू में हिस्सा लिया था।

● खाड़ी देशों की पहली आपात बैठक से यूएई भी जुड़ा

पश्चिम एशिया में शांति कब-कैसे चीन विशेष मध्यस्थता दूत भेजेगा

दुबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया इस समय विस्फोटक हालात से गुजर रहा है। अमेरिका-इस्राइल और ईरान की टकराहट ने पूरे क्षेत्र को युद्ध की दहलीज पर ला खड़ा किया है। तनाव इतना बढ़ गया कि खाड़ी देशों को पहली बार आपात बैठक करनी पड़ी, जिसमें यूएई भी शामिल हुआ। वहीं चीन ने भी साफ कर दिया है कि वह चुप नहीं बैठेगा और संकट सुलझाने के लिए अपना विशेष दूत भेजेगा। पश्चिम एशिया बीते कई दिनों से बारूद के ढेर पर खड़ा है। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ती तनातनी ने पूरे क्षेत्र को जंग के मुहाने पर ला दिया है। हालात इतने विस्फोटक हो चुके

हैं कि शांति की कोशिशों के लिए खाड़ी देशों को पहली बार संयुक्त आपात बैठक बुलानी पड़ी, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी शामिल हुआ। दूसरी ओर चीन ने साफ संकेत दिया है कि वह इस पूरे मामले में तमाशबीन नहीं रहेगा और मध्यस्थता के लिए अपना विशेष दूत मैदान में उतारेगा। सबसे पहले बात अगर खाड़ी देशों की अहम बैठक की करें तो, यूएई ने इसमें हिस्सा लिया और इस बैठक में यूएई का प्रतिनिधित्व उसके गृह मंत्री ने किया।

नेपाल में क्या हैं इस चुनाव के मुद्दे- पीएम पद के लिए किसके बीच मुकाबला, कौन से अहम चेहरे मैदान में

नेपाल, एजेंसी। नेपाल के चुनाव में इस बार कौन सी पार्टियां मैदान में हैं? इस चुनाव में प्रधानमंत्री पद के लिए कौन-कौन ताल ठोंक रहा है? इस चुनाव में मुद्दे क्या हैं? वह कौन सी सीटें हैं, जहां चुनाव पर पूरी दुनिया की नजर रहेगी? आइये जानते हैं... नेपाल में गुरुवार (5 मार्च) को होने वाले चुनावों के लिए देश के सियासी दलों ने कमर कस ली है। सितंबर में जेन जेड की ओर से किए गए प्रदर्शनों के बाद अब यह पहला चुनाव है। एक ओर जहां इस चुनाव में कुछ नई पार्टियां युवाओं के वोटों को हासिल कर नेपाल की राजनीतिक पृष्ठभूमि को बदलने के लिए संघर्ष करेंगी तो कुछ पुराने दल इस चुनाव में अपनी वैधता की लड़ाई जारी रखेंगे। इनमें से कई पार्टियां तो अपना राष्ट्रीय दर्जा तक बचाने की जंग में होंगी। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर नेपाल के चुनाव में इस बार कौन सी पार्टियां मैदान में हैं? इस चुनाव में प्रधानमंत्री पद के लिए कौन-कौन ताल ठोंक रहा है? इस चुनाव में मुद्दे क्या हैं? वह कौन सी सीटें हैं, जहां चुनाव पर पूरी दुनिया की नजर रहेगी? आइये जानते हैं... नेपाल के आम चुनावों में प्रधानमंत्री पद के लिए मुख्य रूप से चार बड़े नेता ताल ठोंक रहे हैं। हालांकि, अलग-अलग सर्वे एजेंसियों का मानना है कि मुख्य मुकाबला जेन जेड प्रदर्शनों के बाद उभरे बालेन्द्र शाह और इस प्रदर्शन के बाद पद छोड़ने को मजबूर हुए केपी शर्मा ओली के बीच ही होगा।

35 वर्षीय बालेन का जन्म 1990 में काठमांडू में हुआ था, जब नेपाल में माओवादी गृहयुद्ध चल रहा था। पेशे से वह एक सिविल इंजीनियर हैं और राजनीति में आने से पहले एक अंडरग्राउंड हिप-हॉप आर्टिस्ट (रैपर) हुआ करते थे। उनके गानों में अक्सर भ्रष्टाचार और असमानता का कड़ा विरोध देखने को मिलता था, जिससे उन्हें युवाओं के बीच खासी पहचान मिली।

संगीत से मिली अपनी लोकप्रियता को उन्होंने राजनीति में मोड़ा और 2022 में काठमांडू के पहले निर्दलीय मेयर चुने गए। मेयर के रूप में उन्होंने टैक्स चोरी, ट्रैफिक जाम और कचरा प्रबंधन जैसे मुद्दों पर कड़े फैसले लिए और एक स्पष्टवादी सुधारक की छवि बनाई। सितंबर 2025 के युवाओं के प्रदर्शनों का समर्थन करने के बाद, वह दिसंबर 2025 में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी में शामिल हो गए।

बालेंद्र शाह अब नेपाल में राजनीतिक बदलाव और सुशासन के एक प्रमुख युवा चेहरे के रूप में उभरे हैं। चुनाव में झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र से वह पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को सीधी चुनौती दे रहे हैं। 74 वर्षीय और चार बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके ओली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूएमएल के नेता हैं। ओली नेपाल के सबसे अनुभवी और सियासी ध्रुवीकरण करने वाले प्रमुख नेताओं में से एक हैं। किशोरावस्था में ही वह अंडरग्राउंड कम्युनिस्ट गतिविधियों से जुड़ गए थे। 1973 में राजशाही के खिलाफ अभियान चलाने के कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था और

उन्होंने अपनी जिंदगी के 14 साल जेल में बिताए, जिनमें से 4 साल एकांतवास वाली जेल (सॉलिटरी कन्फाइनमेंट) में थे। सियासी सफर~ लगभग छह दशकों के राजनीतिक करियर में वह चार बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उनके आलोचक उन पर सत्तावादी होने और असहमति बर्दाश्त न करने का आरोप लगाते हैं, जबकि उनके समर्थक उन्हें मजबूत और राष्ट्रवादी नेता मानते हैं, जिसने भारत और चीन के साथ संबंधों को ठीक से साधा है। सितंबर 2025 के प्रदर्शनों के दौरान 77 लोगों की मौत का आरोप उन पर लगा था, हालांकि वह इसे नकारते हुए हिंसा के लिए घुसपैठियों को जिम्मेदार ठहराते हैं। इसी युवा आंदोलन के कारण उन्हें सत्ता से बेदखल होना पड़ा था, लेकिन वह अपनी पार्टी के सबसे बड़े दल के रूप में उभरने और एक बार फिर से प्रधानमंत्री पद पर वापसी की उम्मीद कर रहे हैं।

गगन थापा का जन्म 1976 में हुआ था। 1990 में पूर्ण राजशाही के खिलाफ हुए लोकतंत्र समर्थक आंदोलन के दौरान एक किशोर के रूप में ही उनका झुकाव राजनीति की ओर हो गया था। सियासी सफर~ उन्होंने %नेपाली कांग्रेस% से जुड़ी छात्र राजनीति के जरिए अपनी जगह बनाई और 2006 के उस ऐतिहासिक जन-आंदोलन का प्रमुख चेहरा बने, जिसने राजा को सत्ता छोड़ने पर मजबूर कर दिया था। विरोध प्रदर्शनों के कारण कई बार जेल जा चुके थापा जब नेपाल की संसद में पहुंचे, तो वह वहां के सबसे कम उम्र के सदस्यों में से एक थे। वह नेपाल के स्वास्थ्य मंत्री भी रह चुके हैं। जनवरी 2026 में उन्होंने शेर बहादुर देउबा के खिलाफ पार्टी के भीतर विद्रोह का नेतृत्व किया।

संपादकीय | भारतीयों को वापस लाना चिंता का विषय

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद युद्ध का स्वरूप बिगड़ता जा रहा है और कहना मुश्किल है कि आने वाले दिनों में यह कौन-सी दिशा अख्तियार करेगा। खासतौर पर हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान की ओर से जिस तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही है, उसमें मध्य-पूर्व के देशों में भी स्थिति चिंताजनक हो रही है।

इस बीच भारत के लिए एक बड़ी फिक्र यह खड़ी हुई है कि अलग-अलग उद्देश्य से मध्य-पूर्व के देशों में गए जो भारतीय फंस गए हैं, उन्हें वहां से सुरक्षित कैसे निकाला जाए। अमेरिका और इजरायल के साझा हमले के जवाब में ईरान ने इजरायल को निशाना बनाने के साथ-साथ बहरीन, सऊदी अरब, कतर समेत कई देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर मिसाइल से हमले किए हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि वहां रहने वाले लोगों के सामने किस तरह की मुश्किलें खड़ी हो रही होंगी। स्वाभाविक ही भारत के सामने बड़ी चिंता उन इलाकों में फंसे भारतीयों को वापस लाने की है।

दरअसल, समूचे पश्चिम एशिया का इलाका इस समय युद्ध क्षेत्र में तब्दील हो गया लग रहा है। स्वाभाविक ही वहां रह रहे तमाम आम लोगों के सामने खुद को सुरक्षित रखना एक बड़ी चुनौती है।

दूसरी ओर, जो लोग दूसरे देशों से वहां गए हैं, वे किसी तरह वहां से निकलने की उम्मीद में हैं। ऐसे में भारत सरकार ने युद्ध प्रभावित देशों से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए कोशिश शुरू की है, लेकिन ठोस नतीजे के

लिए समय रहते कदम उठाना जरूरी है।

सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते हालात की समीक्षा की और सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे घटनाक्रम से प्रभावित भारतीयों की सहायता के लिए जरूरी और व्यावहारिक कदम उठाएं।

सरकार की ओर से आश्वस्त किया गया है कि युद्ध के असर से जूझ रहे देशों में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित भारतीय दूतावासों से बातचीत की गई है। भारत ने शांति और सुरक्षा के साथ-साथ विवादों के समाधान के लिए संवाद तथा कूटनीति का समर्थन किया है, लेकिन फिलहाल ज्यादा जरूरत इस बात की है कि युद्धग्रस्त इलाकों में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी की प्रक्रिया शुरू की जाए। गौरतलब है कि ईरान में करीब दस हजार भारतीय नागरिक रहते हैं, जो पढ़ाई और काम करते हैं। वहीं इजरायल में चालीस हजार से ज्यादा भारतीय रहते हैं। इसके अलावा, खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में लगभग नब्बे लाख भारतीय रहते हैं।

इन देशों में सैन्य तनाव बढ़ने और युद्ध का दायरा फैलने की वजह से उड़ान सेवाएं व्यापक पैमाने पर बाधित हुई हैं और बहुत सारे वैसे भारतीय उन जगहों के हवाईअड्डों पर फंसे हुए हैं, जो किसी तरह वतन लौटना चाहते हैं। हालांकि इससे पहले कई बार अलग-अलग देशों में भड़के युद्ध के दौरान भारत ने अपने हजारों नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की है।

सिस्टम की बलि चढ़ी संवेदना

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में कार्यरत एक बूथ स्तरीय अधिकारी की आत्महत्या की घटना ने प्रशासनिक व्यवस्था और मानवीय मूल्यों एवं संवेदनशीलता को लेकर फिर से गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खबरों के मुताबिक, यह कर्मी अपनी बेटी की शादी के लिए छुट्टी नहीं मिलने से इस कदर परेशान था कि प्राथमिक विद्यालय के भवन में फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। विभिन्न राज्यों में पुनरीक्षण की प्रक्रिया में जुटे कर्मियों पर काम का दबाव होने की खबरें पहले भी आती रही हैं, लेकिन यह मामला सीधे तौर पर व्यवस्था में मनमानी, लापरवाही और असंवेदनशीलता से जुड़ा हुआ है। यह बात सही है कि पुनरीक्षण के कार्य का दबाव विभागीय स्तर पर महसूस किया जा रहा है, लेकिन क्या काम की अत्यधिक व्यस्तता के नाम पर किसी कर्मी को अपनी अति महत्त्वपूर्ण पारिवारिक जिम्मेदारी निभाने से रोका जा सकता है? वह भी ऐसी व्यवस्था में जहां कर्मचारियों के लिए वर्ष भर के अवकाश तय होते हैं! गौरतलब है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान अब तक उठे विवादों में एक मामला बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम के अत्यधिक दबाव का भी रहा है। इस कारण कई कर्मियों के आत्महत्या करने तथा दिल का दौरा पड़ने या अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों की वजह से मौत हो जाने की खबरें अक्सर आती रहती हैं। अब काम पूरा करने की समयसीमा नजदीक आते ही बूथ स्तरीय अधिकारियों पर दबाव और बढ़ गया है और उन्हें आसानी से अवकाश भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में एक कर्मी के आत्महत्या कर लेने की यह घटना इसी ओर इशारा करती है। यह समझना भी जरूरी है कि किसी भी व्यक्ति के लिए नौकरी का मतलब यही होता है कि वह अपने परिवार का ठीक से पालन-पोषण कर सके और पारिवारिक जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभा सके। अगर बेटी या बेटे की शादी जैसे अत्यावश्यक कार्यों या आपात स्थिति में किसी कर्मी को छुट्टी ही न मिले, उस नौकरी के क्या मायने रह जाते हैं। बहरहाल, आत्महत्या की इस घटना की गहन जांच होनी चाहिए और दोषियों की जवाबदेही तय कर उन्हें कानून के कठघरे में लाया जाना चाहिए।

आज का कार्टून

ईरान संकट पर क्यों चुप है सरकार...

यह केवल इतिहास का प्रश्न नहीं, बल्कि भारत की वर्तमान आकांक्षाओं से जुड़ा हुआ है। जो देश स्वयं को वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है, उसके लिए मौन स्वीकृति की छवि नुकसानदायक होगी। यदि संप्रभुता की अवहेलना बिना परिणाम के संभव है, तो छोटे राष्ट्र शक्तिशाली देशों की इच्छाओं के प्रति असुरक्षित हो जाते हैं। भारत बार-बार नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की वकालत करता रहा है, जो कमजोरों को बलपूर्वक दबाव से बचाए। किंतु यदि यह सिद्धांत तब न बोला जाए जब परीक्षा तत्काल और असुविधाजनक हो, तो वह तर्क खोखला प्रतीत होता है। यदि आज ईरान के संदर्भ में भारत संप्रभुता के प्रश्न पर मुखर नहीं दिखता, तो कल वैश्विक दक्षिण के अन्य देश अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए भारत पर क्यों विश्वास करेंगे?इस असंगति के समाधान का उपयुक्त मंच संसद है। जब वह पुनः आहूत होगी, तब अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के इस विघटन और उस पर भारत की चुप्पी पर खुली बहस होनी चाहिए। किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या, अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का क्षरण और पश्चिम एशिया में बढ़ती अस्थिरता–ये सब भारत के रणनीतिक हितों और नैतिक प्रतिबद्धताओं से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े प्रश्न हैं। भारत की स्थिति की स्पष्ट अभिव्यक्ति अब अनिवार्य है।

सोनिया गांधी

1 मार्च 2026 को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह सैय्यद अली हुसैनी ख़ामेनेई की एक दिन पहले अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए हमलों में हत्या कर दी गई। जारी वार्ताओं के बीच किसी वर्तमान राष्ट्राध्यक्ष की हत्या समकालीन अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक गंभीर दरार का संकेत है। किंतु इस घटना की स्तब्धता से परे, जो बात उतनी ही स्पष्ट रूप से सामने आती है, वह है नई दिल्ली की चुप्पी। भारत सरकार ने न तो इस हत्या की निंदा की है और न ही ईरानी संप्रभुता के उल्लंघन पर स्पष्ट आपत्ति दर्ज की है। प्रारंभ में, अमेरिकी-इजरायली हमले की अनदेखी करते हुए, प्रधानमंत्री ने केवल ईरान द्वारा यूएई पर की गई जवाबी कार्रवाई की निंदा तक स्वयं को सीमित रखा, और उससे पहले घटित घटनाक्रम पर मौन साधे रखा। बाद में उन्होंने 'गहरी चिंता' और 'संवाद एवं कूटनीति' की बातें कहीं–जबकि ठीक यही प्रक्रिया उन बड़े और उकसावे रहित हमलों से पहले जारी थी जिन्हें इज़राइल और अमेरिका ने शुरू किया। किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या पर यदि हमारा देश संप्रभुता या अंतरराष्ट्रीय कानून के पक्ष में स्पष्ट आवाज़ नहीं उठाता और निष्पक्षता से हटता हुआ दिखता है, तो यह हमारी विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

इस संदर्भ में चुप्पी को तटस्थता नहीं माना जा सकता। यह हत्या बिना औपचारिक युद्ध-घोषणा के और एक चल रही कूटनीतिक प्रक्रिया के दौरान की गई। संयुक्त राष्ट्र चार्टर का अनुच्छेद 2(4) किसी भी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बल प्रयोग या उसकी धमकी को निषिद्ध करता है। किसी वर्तमान राष्ट्राध्यक्ष की हत्या इन सिद्धांतों के मूल पर प्रहार करती है। यदि ऐसे कृत्य विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की ओर से सिद्धांतनिष्ठ आपत्ति के बिना गुजर जाते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का क्षरण सामान्यीकृत होना आसान हो जाता है।

स्थिति की गंभीरता समय-परिस्थिति से और बढ़ जाती है। हत्या से महज 48 घंटे पहले प्रधानमंत्री इज़रायल यात्रा से लौटे थे, जहाँ उन्होंने बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार के प्रति अपना स्पष्ट समर्थन दोहराया-जबकि गाज़ा में भारी नागरिक हताहतों को लेकर वैश्विक स्तर पर आक्रोश जारी है, जिनमें महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक दक्षिण के कई देश, साथ ही ब्रिक्स में भारत के साझेदार रूस और चीन, इज़राइल से दूरी बनाए हुए हैं, भारत का यह उच्च-प्रोफ़ाइल राजनीतिक समर्थन नैतिक स्पष्टता के बिना एक चिंताजनक विचलन प्रतीत होता है। इस घटना के प्रभाव केवल भू-राजनीति तक सीमित नहीं हैं; इसकी प्रतिध्वनियाँ महाद्वीपों में दिखाई दे रही हैं। और भारत की स्थिति इस त्रासदी के प्रति मौन स्वीकृति का संकेत देती प्रतीत होती है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने ईरानी भूमि पर बमबारी और हत्याओं की स्पष्ट शब्दों में निंदा की है, और इसे क्षेत्रीय तथा वैश्विक स्तर पर गंभीर परिणामों वाली खतरनाक वृद्धि बताया है। हमने ईरानी जनता तथा विश्वभर के शिया समुदायों के प्रति संवेदना व्यक्त की है, और दोहराया है कि भारत की विदेश नीति विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के सिद्धांत पर आधारित है, जैसा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 में परिलक्षित होता है।

संप्रभु समानता, अहस्तक्षेप और शांति के संवर्धन जैसे सिद्धांत ऐतिहासिक रूप से भारत की कूटनीतिक पहचान का अभिन्न अंग रहे हैं। वर्तमान संकोच इसलिए केवल सामरिक नहीं, बल्कि हमारे घोषित मूल्यों से असंगत प्रतीत होता है।

भारत के लिए यह प्रकरण विशेष रूप से चिंताजनक है। ईरान के साथ हमारे संबंध सभ्यतागत होने के साथ-साथ रणनीतिक भी रहे हैं। 1994 में, जब इस्लामिक सहयोग संगठन के कुछ तत्वों ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में कश्मीर को लेकर भारत के विरुद्ध प्रस्ताव लाने का प्रयास किया था, तब तेहरान ने उस प्रयास को विफल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस हस्तक्षेप ने भारत के आर्थिक परिवर्तन के संवेदनशील दौर में कश्मीर मुद्दे के अंतरराष्ट्रीयकरण को रोका। ईरान ने ज़ाहेदान में, पाकिस्तान सीमा के निकट, भारत की कूटनीतिक उपस्थिति को भी सक्षम बनाया-जो ग्वादर बंदरगाह और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के विकास के प्रति एक रणनीतिक संतुलन का कार्य करता है। वर्तमान सरकार को यह स्मरण रखना चाहिए कि अप्रैल 2001 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने तेहरान की आधिकारिक यात्रा के दौरान ईरान के साथ भारत के गहरे, सभ्यतागत और समकालीन संबंधों की गर्मजोशी से पुनः पुष्टि की थी। उन दीर्घकालिक संबंधों की उनकी वह स्वीकृति और सराहना आज की सरकार के लिए मानो अप्रासंगिक प्रतीत होती है। हाल के वर्षों में इजरायल के साथ भारत के संबंध रक्षा, कृषि और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में विस्तृत हुए हैं। किंतु यही तथ्य कि भारत तेहरान और तेल अवीव दोनों से संबंध रखता है, उसे संयम की अपील करने का कूटनीतिक अवसर प्रदान करता है। परंतु ऐसा अवसर विश्वसनीयता पर निर्भर करता है। और विश्वसनीयता सिद्धांत-आधारित आचरण से आती है, न कि तात्कालिक सुविधा से। यह केवल नैतिक आग्रह नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता भी है। लगभग एक करोड़ भारतीय खाड़ी क्षेत्र में निवास और कार्य करते हैं। अतीत के संकटों, जैसे गल्फ युद्ध से लेकर यमन, इराक और सीरिया तक में अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भारत की क्षमता उसकी स्वतंत्र पहचान पर आधारित रही है, न कि किसी शक्ति-गुट के प्रतिनिधि के रूप में।

यह विश्वसनीयता संयोग से निर्मित नहीं हुई थी। स्वतंत्रता के बाद भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्षता के सिद्धांत पर आधारित थी - निष्क्रिय तटस्थता के रूप में नहीं, बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता के सचेत आग्रह के रूप में। यह महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा में समाहित होने से इनकार था। वर्तमान क्षण यह प्रश्न उठाता है कि क्या वह रुख कमजोर पड़ रहा है। शक्तिशाली देशों द्वारा एकतरफा सैन्य कार्रवाई पर अनालोचनात्मक मौन उस सिद्धांत से पीछे हटने जैसा प्रतीत होता है - और प्रभावतः हमारी विरासत से विमुखता का संकेत देता है।

यह केवल इतिहास का प्रश्न नहीं, बल्कि भारत की वर्तमान आकांक्षाओं से जुड़ा हुआ है। जो देश स्वयं को वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है, उसके लिए मौन स्वीकृति की छवि नुकसानदायक होगी। यदि संप्रभुता की अवहेलना बिना परिणाम के संभव है, तो छोटे राष्ट्र शक्तिशाली देशों की इच्छाओं के प्रति असुरक्षित हो जाते हैं। भारत बार-बार नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की वकालत करता रहा है, जो कमजोरों को बलपूर्वक दबाव से बचाए। किंतु यदि यह सिद्धांत तब न बोला जाए जब परीक्षा तत्काल और असुविधाजनक हो, तो वह तर्क खोखला प्रतीत होता है। यदि आज ईरान के संदर्भ में भारत संप्रभुता के प्रश्न पर मुखर नहीं दिखता, तो कल वैश्विक दक्षिण के अन्य देश अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए भारत पर क्यों विश्वास करेंगे?इस असंगति के समाधान का उपयुक्त मंच संसद है। जब वह पुनः आहूत होगी, तब अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के इस विघटन और उस पर भारत की चुप्पी पर खुली बहस होनी चाहिए। किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या, अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का क्षरण और पश्चिम एशिया में बढ़ती अस्थिरता–ये सब भारत के रणनीतिक हितों और नैतिक प्रतिबद्धताओं से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े प्रश्न हैं। भारत की स्थिति की स्पष्ट अभिव्यक्ति अब अनिवार्य है।

लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व इसकी मांग करता है और रणनीतिक स्पष्टता भी। भारत लंबे समय से 'वसुधैव कुटुंबकम' के आदर्श का आह्वान करता रहा है और इस बात को दोहराता रहा है कि विश्व एक परिवार है। यह सभ्यतागत भावना केवल औपचारिक कूटनीति का नारा नहीं; यह न्याय, संयम और संवाद के प्रति प्रतिबद्धता का संकेत है, भले ही वह असुविधाजनक क्यों न हो। जब नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था स्पष्ट दबाव में हो, तब मौन सिद्धांतों को तिलांजलि देने के समान है। भारत ने स्वयं को केवल एक क्षेत्रीय शक्ति से अधिक के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है; उसने संप्रभुता, शांति, अहिंसा और न्याय के पक्ष में बोलने वाली आवाज़ बनने की आकांक्षा की है, चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों। आज आवश्यकता है कि हम उस नैतिक शक्ति को पुनः स्मरण करें और उसे स्पष्टता तथा दृढ़ता के साथ व्यक्त करें।

आधुनिक शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से संकीर्ण दृष्टिकोण से ग्रस्त

आधुनिक शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से एक संकीर्ण दृष्टिकोण से ग्रस्त रही है, जिसमें ज्ञान का मूल्यांकन केवल पाठ्यक्रम, परीक्षा परिणाम और अंकों की प्राप्ति तक सीमित कर दिया गया है। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता आज भी मुख्य रूप से मेधा सूचियों, कटआफ अंकों और रैंकिंग के माध्यम से आंकी जाती है। इस प्रवृत्ति ने शिक्षा को मानव निर्माण की प्रक्रिया के स्थान पर एक यांत्रिक उत्पादन प्रणाली में परिवर्तित कर दिया है। ऐसे परिवेश में सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की भूमिका पर गंभीर, तर्कसंगत और नीतिगत पुनर्विचार की आवश्यकता है।

अमित कुमार

सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां किसी भी अर्थ में शिक्षा के 'परिशिष्ट' नहीं हैं। खेल, साहित्य, कला, वाद-विवाद, विज्ञान प्रदर्शनियां, सामाजिक सेवा, छात्र संगठन, सांस्कृतिक उत्सव और विद्यार्थियों द्वारा संचालित मंच, ये सभी शिक्षा के उस व्यापक उद्देश्य की पूर्ति करते हैं, जो केवल बौद्धिक दक्षता नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, चरित्र और नागरिक चेतना के निर्माण से जुड़ा है।औपचारिक पाठ्यक्रम जहां ज्ञान का सैद्धांतिक आधार प्रदान करता है, वहीं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां उस ज्ञान को सामाजिक, नैतिक और व्यावहारिक संदर्भ देती हैं। बाल्यावस्था में प्राप्त अनुभव व्यक्ति के आत्मविश्वास, जिज्ञासा, नेतृत्व-क्षमता और नैतिक दृष्टि की आधारशिला रखते हैं। खेलकूद विद्यार्थियों में अनुशासन, सहनशीलता और सामूहिकता की भावना विकसित करते हैं। साहित्यिक गतिविधियां भाषा-बोध, आलोचनात्मक चिंतन और वैचारिक परिपक्वता को सुदृढ़ करती हैं।

कला और संगीत सौंदर्यबोध तक सीमित नहीं रहते, बल्कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विकास में भी केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। एक ऐसा गुण, जिसकी आज के वैश्विक कार्यक्षेत्र में अत्यधिक मांग है। प्रशासनिक और संस्थागत दृष्टि से भी सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं।छात्र परिषदें, स्कूल कैबिनेट और नेतृत्व कार्यक्रम विद्यार्थियों को शासन, प्रतिनिधित्व और उत्तरदायित्व की प्रारंभिक समझ प्रदान करते हैं। यही मंच उन्हें नियमों के पालन के साथ-साथ निर्णय-निर्माण की जटिलताओं से भी परिचित कराते हैं। लोकतंत्र का अभ्यास अगर कक्षा में नहीं, तो कम से कम विद्यालयी जीवन में आरंभ होना चाहिए।

बढ़ती प्रतिस्पर्धा, अंकों का दबाव और अपेक्षाओं का बोझ विद्यार्थियों को तनाव, अवसाद और सामाजिक अलगाव की ओर धकेल रहे हैं। सामूहिक खेल, नाटक, संगीत और सामाजिक परियोजनाएं विद्यार्थियों को भावनात्मक अभिव्यक्ति और आत्म-स्वीकृति का अवसर देती हैं। शिक्षा यदि मानसिक संतुलन प्रदान न कर सके, तो उसकी बौद्धिक उपलब्धियां भी अर्थहीन हो जाती हैं।

पारंपरिक ढांचे में संचालित शिक्षा व्यवस्था और समाज की शिक्षा के बारे में धारणा ने ऐसी बहुत सारी प्रतिभाओं को समय पर खिलने से बाधित कर दिया, जो किसी अन्य गतिविधि में सक्रिय रह कर या हिस्सा लेकर नए शिखर को छू सकती थीं। किताब पढ़ने को एकमात्र सबसे महत्त्वपूर्ण काम मानना ही शिक्षा को बच्चों के लिए बोझ बनाने की कोशिश है।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां, विशेषकर विद्यार्थियों द्वारा संचालित कालेज में होने वाले उत्सवों या मेलों के रूप में एक और अधिक परिपक्व स्वरूप ग्रहण करती हैं। सांस्कृतिक, तकनीकी और साहित्यिक महोत्सव जीवन की प्रशासनिक संरचनाओं के सूक्ष्म प्रतिरूप होते हैं। इन आयोजनों में विद्यार्थी बजट निर्धारण, प्रायोजन प्रबंधन, मीडिया समन्वय, समय-सीमा का पालन और आपदा-प्रबंधन जैसे जटिल कौशल अर्जित करते हैं। ऐसे कौशल, जिन्हें कोई औपचारिक पाठ्यक्रम पूरी तरह नहीं सिखा सकता। दरअसल, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां भविष्य की कार्यशक्ति को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाती हैं। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था केवल विशेषज्ञता नहीं, बल्कि बहु-कौशलता, यानी एक साथ कई काम को कुशलतापूर्वक करने की क्षमता रखने वाले व्यक्ति की मांग करती है। नवाचार, सहयोग, नेतृत्व और संप्रेषण, ये सभी गुण सह-पाठ्यक्रम सहभागिता से ही विकसित होते हैं। यही कारण है कि विश्व के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय और कारपोरेट संस्थान अकादमिक प्रदर्शन के साथ-साथ छात्र गतिविधियों को भी समान महत्त्व देते हैं। तकनीकी और नवाचार के क्षेत्र में भी सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां निर्णायक भूमिका निभाती हैं।

रोबोट संचालित गतिविधियों वाले क्लब, नवउद्यमों के तहत बिक्री, आधुनिक तकनीकी के महोत्सव और नवाचार पर केंद्रित प्रयोगशालाएं विद्यार्थियों को प्रयोग, विफलता और फिर से प्रयास की संस्कृति से परिचित कराते हैं। यह संस्कृति भारत जैसे देश के लिए विशेष रूप से आवश्यक है, जहां नवाचार ही दीर्घकालिक विकास का आधार बन सकता है।

सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से कालेज में होने वाले महोत्सव और विद्यार्थियों की गतिविधियां विविधता, समावेशन और सहिष्णुता को बढ़ावा देती हैं। विभिन्न भाषाओं, क्षेत्रों और अलग-अलग सामाजिक पृष्ठभूमि से आए विद्यार्थी जब साझा लक्ष्य के लिए कार्य करते हैं, तो सामाजिक विभाजनों की दीवारें अपने आप ध्वस्त होती हैं।अफसोस की बात है कि हमारे शिक्षा तंत्र में सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को आज भी आमतौर पर औपचारिकता, समय-व्यय या अकादमिक बाधा के रूप में देखा जाता है। कई संस्थानों में इन्हें परीक्षा-परिणामों के अधीन रख दिया जाता है, जिससे इनकी गुणवत्ता और उद्देश्य, दोनों प्रभावित होते हैं। यह दृष्टिकोण अव्यावहारिक के साथ ही आधुनिक शिक्षा दर्शन के भी विपरीत है। सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को पाठ्यक्रम का पूरक नहीं, बल्कि उसका अभिन्न और अनिवार्य अंग मानते हुए उन्हें समान संसाधन, समय और संस्थागत समर्थन प्रदान किया जाना चाहिए।

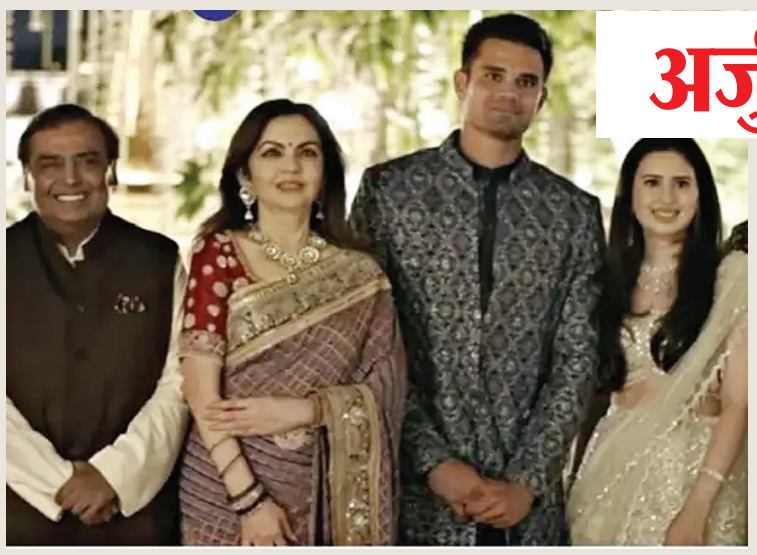

अर्जुन तेंदुलकर ने बिजनेसमैन की पोती के साथ फेरे लिए

● शादी में धोनी-अमिताभ अन्य सितारे पहुंचे ● मुकेश अंबानी-जय शाह भी शामिल हुए

मुंबई (एजेंसी)। सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की सानिया चंडोक के साथ मुंबई में शादी हुई। शादी समारोह में अमिताभ बच्चन पत्नी जया बच्चन के साथ पहुंचे। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी पत्नी साक्षी के साथ आए। वहीं, पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले के साथ क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे, सुरेश रैना, हरभजन सिंह भी मौजूद रहे। शादी के फंक्शन 3 मार्च से ही चल रहे हैं। अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक के प्री-वेडिंग फंक्शन 27 फरवरी को गुजरात के जामनगर में अंबानी परिवार के घर में हुए थे।

दोनों ने अगस्त 2025 में सगाई की थी। सानिया चंडोक ग्रैविस ग्रुप के चेयरमैन रवि घई की पोती हैं। अर्जुन की बहन सारा की करीबी दोस्त भी हैं।बॉलीवुड के बिग बी अमिताभ बच्चन पत्नी जया के साथ शादी में पहुंचे हैं।रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, पत्नी नीता ,बेटे आकाश अंबानी और उनकी पत्नी श्लोका अंबानी शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे हैं।महेंद्र सिंह धोनी पत्नी साक्षी के साथ शादी समारोह में पहुंचे।पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह पत्नी के साथ शादी में पहुंचे हैं।क्रिकेटर सुरेश रैना पत्नी के साथ शादी में पहुंचे हैं।इरफान पठान पत्नी के साथ शादी में पहुंचे हैं।

ईपीएल- न्यूकैसल ने 10 खिलाड़ियों से मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराया

पेड्रो की हैट्रिक से चेल्सी जीती, आर्सनल 20वीं जीत से टॉप पर कायम

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल में गुरुवार रात बड़े उलटफेर देखने को मिले। न्यूकैसल ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड को हरा दिया। जोआओ पेड्रो की हैट्रिक से चेल्सी ने एस्टन विला को 4-1 से हराया। आर्सनल ने टूर्नामेंट में 20वीं जीत से नंबर-1 पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। वहीं नॉटिंघम फॉरेस्ट ने 10 बार की चैंपियन मैनचेस्टर सिटी को ड्रॉ पर रोक दिया।

मैनचेस्टर यूनाइटेड की छठी हार

न्यूकैसल के सेंट जेम्स पार्क में बेहद रोमांचक मुकाबला खेला गया। फर्स्ट हाफ के इंजरी टाइम में जैकब रेम्सी 2 यलो कार्ड मिलने के कारण मैच से बाहर हो गए। 10 प्लेयर्स के बावजूद टीम ने 2-1 से मैच जीता और पॉइंट्स टेबल में 12वां स्थान हासिल कर लिया। इस हार के बाद मैनचेस्टर यूनाइटेड तीसरे नंबर पर ही मौजूद है। न्यूकैसल के एंथनी गॉर्डन ने पेनल्टी को गोल में बदला और टीम को 1-0 से आगे कर दिया। न्यूकैसल के विलियम ओसुला ने आखिरी मिनट में गोल किया और अपनी टीम को रोमांचक जीत दिला दी।

चेल्सी की एस्टन विला पर डोमिनेटिंग जीत

बर्मिंघम के विला पार्क में चौथे और पांचवें नंबर की टीम के बीच रोमांचक मुकाबले के उम्मीद थी, लेकिन चेल्सी ने 4-1 के अंतर से एकतरफा मैच जीत लिया।विला के डगलस लुइज ने मैच का पहला गोल दागा और अपनी टीम को आगे कर दिया।चेल्सी के जोआओ पेड्रो ने गोल किया और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। जोआओ पेड्रो ने अपना दूसरा गोल किया और चेल्सी को 2-1 से आगे कर दिया। फर्स्ट हाफ के बाद एस्टन विला वापसी नहीं कर सकी।

रणजी चैंपियन जम्मू-कश्मीर टीम ने जय शाह से मुलाकात की

● राज्य में क्रिकेट को बढ़ावा देने पर आभार जताया, बीसीसीआई ने फोटोज शेयर किए

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर ने 67 साल में पहला रणजी ट्रॉफी जीता है। इस जीत के बाद टीम के खिलाड़ियों ने आईसीसी के चैयरमैन जय शाह से मुलाकात की। बीसीसीआई ने गुरुवार को फोटोज शेयर किए हैं। खिलाड़ियों ने जम्मू-कश्मीर में क्रिकेट को मजबूत बनाने में उनके योगदान के लिए जय शाह को धन्यवाद दिया।रणजी ट्रॉफी का पहला खिताब जीतने के बाद जम्मू-कश्मीर टीम ने जय शाह से मिलने की इच्छा जताई।

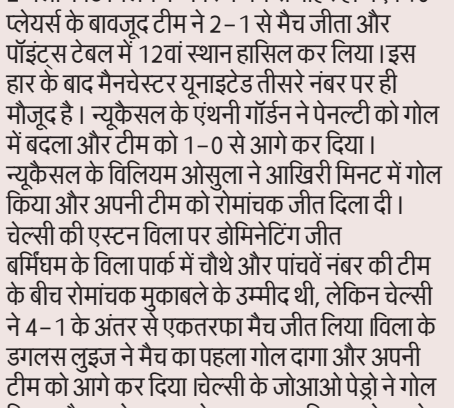

जम्मू-कश्मीर टीम ने जय शाह से मिलने की इच्छा जताई- बीसीसीआई ने एक्स पर बताया कि रणजी ट्रॉफी का पहला खिताब जीतने के बाद जम्मू-कश्मीर टीम ने जय शाह से मिलने की इच्छा जताई। खिलाड़ियों ने कहा कि बीसीसीआई के सचिव रहते हुए जय शाह की लीडरशिप ने राज्य में क्रिकेट को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। बीसीसीआई ने अपने पोस्ट में जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक जीत की तारीफ की और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए जय शाह का धन्यवाद किया। जम्मू-कश्मीर ने 67 साल का बाद 2025-26 सीजन में अपना पहला रणजी ट्रॉफी खिताब जीता।

रेणुका सिंह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट से बाहर

वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण आराम दिया, काशवी गौतम को मौका, आज पर्थ में मुकाबला

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट से पहले इंडिया विमेंस ने तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण आराम दे दिया। उनकी जगह ऑलरांडर काशवी गौतम को टीम में जगह मिली। काशवी वनडे सीरीज का भी हिस्सा थीं।

लगातार क्रिकेट खेल रही थीं रेणुका

मेडिकल टीम ने बीसीसीआई से कहा कि रेणुका लगातार क्रिकेट खेल रही हैं। विमेंस प्रीमियर लीग के बाद उन्होंने टीम के लिए सभी मैच खेले। फिटनेस और टी-20 वर्ल्ड कप को देखते हुए उन्हें टेस्ट से आराम दे देना चाहिए। बीसीसीआई ने कहा, पर्थ के वाका में होने वाले पिंक-बॉल टेस्ट के लिए रेणुका उपलब्ध नहीं रहेंगी। उनके वर्कलोड को बेहतर मैनेज करने के लिए यह फैसला लिया गया। मेडिकल टीम उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखेगी।

रेणुका ने टी-20 और वनडे सीरीज में पूरे मैच खेले- इंडिया विमेंस फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में मल्टी फॉर्मेट सीरीज खेलने के लिए गई हैं। रेणुका ने 3 टी-20 में 4 विकेट लिए, वहीं 3 वनडे में वे 2 विकेट ही अपने नाम कर सकीं।

सीरीज में 8-4 से आगे ऑस्ट्रेलिया- भारत ने टी-20 सीरीज 2-1 से जीती। वनडे सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से जीती। ऑस्ट्रेलिया में विमेंस क्रिकेट सीरीज में हर मैच के अलग-अलग पॉइंट्स होते हैं। व्हाइट बॉल मैच जीतने पर 2 पॉइंट्स मिलते हैं। इसलिए ऑस्ट्रेलिया के 8 और भारत के पास 4 पॉइंट्स हैं। अगर भारत ने टेस्ट जीत लिया तो दोनों के 8-8 पॉइंट्स हो जाएंगे और सीरीज ड्रॉ रहेगी। टेस्ट ड्रॉ होने पर दोनों टीमों को 2-2 पॉइंट्स मिलेंगे, ऐसे में ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया के पास चली जाएगी।

इंडिया विमेंस की अपडेटेड टेस्ट टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, हरलीन देओल, प्रतिका रावल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर),

अमनजोत कौर, स्नेह राणा, सयाली साटघरे, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, काशवी गौतम और वैष्णवी शर्मा।

वर्ल्ड चैंपियन गुकेश को ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने हराया

● प्राग चेस फेस्टिवल में आखिरी नंबर पर पहुंचे; 19 रेटिंग पॉइंट्स भी कटे

नईदिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश को प्राग इंटरनेशनल चेस फेस्टिवल 2026 में भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद लाइव चेस रैंकिंग में गुकेश 20वें स्थान पर पहुंच गए। वे टूर्नामेंट में आखिरी नंबर पर चल रहे हैं।

गुकेश 6 राउंड के बाद 3 गेम हारे- दिसंबर 2024 में वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद गुकेश पर लगातार दबाव बना हुआ है। प्राग में चल रहे इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन अब तक खास नहीं रहा। टूर्नामेंट में 6 राउंड के बाद वे 3 मुकाबले हार चुके हैं, जबकि बाकी 3 मैच ड्रॉ रहे। खराब प्रदर्शन के कारण उनके 19 रेटिंग पॉइंट्स भी कम हो गए। समय कम होने के कारण तेजी से चाल चलनी पड़ी

मंगलवार को खेले गए मुकाबले में मैच के आखिरी फेज में गुकेश से बड़ी गलती हो गई। समय कम होने के कारण उन्हें 35वीं से 40वीं चाल तक तेजी मूव करना पड़ा।

गुकेश ड्रॉ करा सकते थे मुकाबला

मैच के बाद अरविंद चिदंबरम ने बताया कि 37वीं चाल में 'एफ4' खेलना गुकेश के लिए भारी साबित हुआ। इस चाल से उनके नाइट (घोड़े) को एफ3 और एफ2 जैसी जगहों तक पहुंचने का मौका मिला। अगर उस समय गुकेश रूक (हाथी) डी2 चलते तो मुकाबला ड्रॉ की ओर जा सकता था।

हरियाणा का आयरन मैन अर्जेंटीना में लड़ेगा बड़ी फाइट

● 26 साल छोटे फ्रेंच फाइटर को चुनौती देंगे संग्राम सिंह, 5 अप्रैल को मुकाबला

सोनीपत (एजेंसी)। हरियाणा के दिग्गज एमएमए फाइटर संग्राम सिंह एक बार फिर इतिहास रचने की दहलीज पर खड़े हैं। प्रोफेशनल रेसलिंग से मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) की दुनिया में कदम रखने वाले संग्राम अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का झंडा बुलंद करने जा रहे हैं।

5 अप्रैल 2026 को अर्जेंटीना के टाइग्रे, ब्यूनस आयर्स में आयोजित होने जा रहे समुराई फाइट हाउस 28 (एसएफएच 28) में संग्राम सिंह मुख्य मुकाबले में उतरेंगे। यह सिर्फ एक फाइट नहीं, बल्कि भारतीय एमएमए इतिहास का वह क्षण होगा जब पहली बार कोई भारतीय फाइटर अर्जेंटीना की धरती पर प्रतिस्पर्धा करेगा। संग्राम सिंह अपनी उम्र से 26 साल छोटे फ्रांस के उभरते हुए फाइटर माटेओ मोंटेइरो के साथ फाइट करेंगे। ऐसा पहली बार हो रहा है कि इतनी ज्यादा उम्र में तेज-तर्रार युवक से संग्राम फाइट करेंगे। 5 अप्रैल 2026 को अर्जेंटीना के टाइग्रे, ब्यूनस आयर्स में आयोजित होने जा रहे समुराई फाइट हाउस 28 (एसएफएच 28) में संग्राम सिंह मुख्य मुकाबले में उतरेंगे।

रोजाना 6 घंटे कर रहे प्रैक्टिस

संग्राम भारतीय और रशियन कोच की निगरानी में रोज 6 घंटे प्रैक्टिस कर रहे हैं। पिछले दिनों संग्राम सिंह पेरिस, थाईलैंड और बाली में ट्रेनिंग शेड्यूल पूरा करके आए थे। खास बात ये है कि हरियाणवी फाइटर शुद्ध शाकाहार पर निर्भर हैं। दूध-घी-चूरमा उनकी डाइट का अहम हिस्सा है। संग्राम सिंह दो बार एमएमए खिताब जीत चुके हैं। इंग्लैंड के पहली बार केज में उतरेंगे।

फाइट विनर को एक करोड़ इनाम

अर्जेंटीना में आयोजित इस फाइट को विनर को प्राइज में लगभग एक करोड़ रुपए मिलेंगे। साथ ही रैंक में सुधार होगा। फाइट के टिकट की कीमत 50 हजार रुपए तक है। उसके बाद टाइटल खेलने के लिए मौका मिलता है। टाइटल के दौरान करोड़ों रुपए मिलते हैं। संग्राम सिंह ने पिछली फाइट 2 नवंबर 2025 को नीदरलैंड में लड़ी और जीती।

फ्रेंच चैलेंजर माटेओ मोंटेइरो से मुकाबला

एसएफएच 28 के मुख्य मुकाबले में संग्राम सिंह का सामना फ्रांस के उभरते हुए फाइटर माटेओ मोंटेइरो से होगा। यह मुकाबला एशिया और यूरोप की प्रतिभा के बीच जोरदार टकराव माना जा रहा है। जहां संग्राम अपने अनुभव और रणनीतिक परिपक्वता के साथ उतरेंगे, वहीं मोंटेइरो युवा जोश और आक्रामकता के दम पर अपनी पहचान मजबूत करना चाहेंगे। खेल से जुड़े एक्सपर्ट कहते हैं कि संग्राम को इस मुकाबले में बेहद सधे हुए अंदाज में उतरना होगा, क्योंकि मामूली गलती भी इस तरह के फाइटर के सामने भारी पड़ सकती है। ये अनुभव बनाम आक्रामकता की टक्कर होगी।

जीतने के लिए जा रहा अर्जेंटीना- संग्राम- अपने तीसरे अंतरराष्ट्रीय एमएमए मुकाबले को लेकर दैनिक भास्कर एप से बातचीत में कहा रेसलिंग और एमएमए अलग दुनिया मानी जाती हैं, मुकाबले के लिए लगातार मेहनत की जा रही है, लेकिन अनुशासन, फिटनेस और योद्धा भावना हर मंच पर काम आती है। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना में वह केवल हिस्सा लेने नहीं, बल्कि जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेंगे।

● बाबर और सईम बांग्लादेश सीरीज से बाहर, 6 अनकैप्ड प्लेयर्स को मौका

पाकिस्तान ने वर्ल्डकप हार का गुस्सा वनडे टीम पर उतारा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी-20 वर्ल्ड कप में अपनी टीम के खराब प्रदर्शन का गुस्सा वनडे टीम पर उतारा। बुधवार को बांग्लादेश सीरीज के लिए टीम अनाउंस हुई। वर्ल्ड कप में बुरी तरह फ्लॉप रहे पूर्व कप्तान बाबर आजम और सईम अयूब को टीम से बाहर कर दिया। टीम में 6 अनकैप्ड प्लेयर्स और वर्ल्ड कप में टॉप स्कोरर रहे साहिबजादा फरहान को शामिल कर लिया। फरहान ने अक्टूबर 2024 से कोई घरेलू लिस्ट-ए मैच भी नहीं खेला है। वे अब तक पाकिस्तान के लिए वनडे डेब्यू भी नहीं कर सके।

● **शाहीन ही कप्तानी करेंगे-** तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ही पाकिस्तान की कप्तानी करेंगे। उन्हें पिछले साल ही मोहम्मद रिजवान के बाद कप्तान बनाया गया था। वर्ल्ड कप टीम से बाहर रहे विकेटकीपर रिजवान वनडे टीम में अपनी जगह बरकरार रखने में कामयाब रहे। टी-20 कप्तान सलमान अली आगा, ऑलराउंडर फहीम अशरफ और लेग स्पिनर अबरार अहमद को भी टीम में जगह मिल गई।

● **बॉलिंग डिपार्टमेंट में अनुभव को मौका-** अबरार के अलावा बॉलिंग डिपार्टमेंट में मोहम्मद वसीम जूनियर और हारिस रऊफ शामिल किए गए। बैटिंग ऑलराउंडर हुसैन तलत के साथ चाइनामैन फैसल अकरम भी टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने 2024 में वनडे डेब्यू किया था।

● **अपने बेस्ट फॉर्मेट से बाहर हुए बाबर-अयूब-** सईम अयूब और बाबर आजम अपने करियर में सबसे ज्यादा मजबूत वनडे फॉर्मेट में ही नजर आए।

पिछले 13 मुकाबलों में अयूब ने 3 शतक और 2 फिफ्टी लगाई। 2024 में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका में वनडे सीरीज जीत में अयूब ने अहम भूमिका निभाई थी। अयूब वर्ल्ड कप में जरूर फ्लॉप रहे, लेकिन उनकी स्पिन गेंदबाजी ने टीम को अहम विकेट दिलाए थे। बाबर भी वनडे में 20 शतक और 37 फिफ्टी लगा चुके हैं। उन्होंने किसी और फॉर्मेट में 10 सेंचुरी भी नहीं लगाई। उनके नाम 140 मुकाबलों में 6501 रन जरूर हैं, लेकिन 2025 से वे इस फॉर्मेट में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

6 अनकैप्ड प्लेयर्स को मौका

वनडे सीरीज में कई प्लेयर्स को डेब्यू का मौका मिल सकता है। 28 साल के अब्दुल समद को जगह मिली, जिन्होंने टी-20 क्रिकेट में फिनिशर के रूप में पहचान बनाई। 21 साल के शामिल हुसैन और और 20 साल के माज सदाकत भी स्क्वॉड का हिस्सा हैं। 3 लिस्ट-ए मैच खेलने वाले 21 साल के शाद मसूद और गाजी घोरी भी टीम में शामिल किए गए हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यायल नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670